उत्तर प्रदेश शासन द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र

सच का साथी.....

बी पी एस न्यूज

www.bpsnews.in

वर्षः 11 || अंकः3 || पृष्ठः 8 || मूल्य 2:00/- रुपए || कानपुर || सोमवार || 16 फरवरी-2026

अंदर के पृष्ठ पर | शिवभक्ति के रंग में रंगा कानपुर, आनंदेश्वर मंदिर में भक्तों की भीड़ 8 | महिला कर्मियों ने बैंक आना छोड़ा, प्रबंधन ने झाड़ा पल्ला 4

भारत-अमेरिका ट्रेड डील पर राहुल गांधी का हमला तेज

मोदी सरकार कर रही किसानों से विश्वासघात

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने रविवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के ढांचे को लेकर केंद्र सरकार पर अपना हमला जारी रखते हुए कहा कि इस समझौते के नाम पर भारतीय किसानों के साथ विश्वासघात हो रहा है। एक पोस्ट में गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से अमेरिका से डिस्टिलर्स ड्राइड ग्रेन्स (डीडीजी) फसलों के आयात का मतलब पूछा। उन्होंने कहा कि इसका मतलब यह होगा कि भारतीय पशुओं को आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा, और सवाल उठाया कि क्या इससे भारतीय दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर हो जाएगा।राहुल गांधी ने कहा कि हम अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के नाम पर

भारत के किसानों के साथ विश्वासघात देख रहे हैं। मैं प्रधानमंत्री से कुछ सीधे सवाल पूछना चाहता हूं- डीडीजी आयात का वास्तव में क्या मतलब है? क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय पशुओं को जीएम अमेरिकी मक्का से बना डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाया जाएगा? क्या इससे हमारा दूध उत्पादन अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएगा? कांग्रेस सांसद ने आगे इस बात पर जोर दिया कि अगर अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति दी जाती है, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के भारतीय सोयाबीन किसानों पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा?

उन्होंने अतिरिक्त उत्पाद शब्द का अर्थ भी स्पष्ट करते हुए पूछा कि क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ भारत पर दालों और अन्य फसलों के बाजारों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा?राहुल गांधी ने कहा कि अगर हम आनुवंशिक रूप से संशोधित सोयाबीन तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और पूरे देश के हमारे सोयाबीन किसानों का क्या होगा? वे एक और मूल्य वृद्धि का सामना कैसे करेंगे? जब आप अतिरिक्त उत्पाद कहते हैं, तो वास्तव में इसमें क्या शामिल है? क्या यह इस बात का संकेत है कि समय के साथ दालों और अन्य फसलों को अमेरिकी आयात के लिए खोलने का दबाव पड़ेगा? गांधी ने यह भी सवाल उठाया कि क्या भारत पर आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलों पर अपना रुख नरम करने का कोई दबाव पड़ेगा, और कहा कि भारतीय किसानों को इन सवालों के स्पष्ट जवाब पाने का अधिकार है।

देश में सबसे पहले महाकाल मंदिर में हुई महाशिवरात्रि की शुरुआत

» बीपीएस न्यूज

उज्जैन (मध्य प्रदेश)। देशभर में सबसे पहले यहां स्थित महाकाल मंदिर में महाशिवरात्रि की शुरुआत हुई। रात 2:30 बजे मंदिर के पट खोल दिए गए। परम्परा के अनुसार, इस महापर्व की शुरुआत उज्जैन स्थित विश्व प्रसिद्ध ज्योतिर्लिंग भगवान महाकालेश्वर मंदिर से हुई। पट खुलते ही पूजा-अर्चना के बाद भस्म आरती में बाबा महाकाल का भांग-चंदन और त्रिपुंड से राजा स्वरूप में दिव्य श्रृंगार हुआ।

वर्षों से यह परंपरा चली आ रही है कि देश में सभी त्यौहार सबसे पहले भगवान महाकाल के मंदिर में मनाए जाते हैं। भस्म आरती के बाद बाबा महाकाल के दर्शन शुरू हो गए हैं। श्रद्धालु 44 घंटे तक दर्शन कर सकेंगे। सुबह नौ बजे तक एक लाख 35 हजार श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। रविवार होने के कारण भीड़ तेजी से बढ़ रही है। 10 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने का अनुमान है।रात 2-30 बजे प्रथम घंटाल बजाकर मंदिर में प्रवेश किया गया। मंत्रोच्चार के साथ गर्भगृह में स्थापित सभी प्रतिमाओं का पूजन कर हरिओम का जल अर्पित हुआ। कपूर आरती के बाद पंडे-पुजारियों ने जलाभिषेक किया। फिर दूध, दही, घी, शक्कर और फलों के रस से बने पंचामृत से पूजन के बाद बाबा महाकाल को भांग, चंदन और त्रिपुंड अर्पित कर राजा स्वरूप श्रृंगार किया गया। इसके बाद ज्योतिर्लिंग को कपड़े से ढांककर भस्म रमाई गई। शेषनाग का रजत मुकुट, रजत की मुंडमाल और रुद्राक्ष की माला के साथ-साथ मोगरे और गुलाब से बनी फूलों की माला अर्पित की गई।तड़के हुई भस्म आरती में प्रवेश पासधारी श्रद्धालुओं के साथ-साथ चलित भस्म आरती के दर्शन भी कराए गए। महाकाल मंदिर समिति का दावा है कि पर्व के दौरान औसतन 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं। परंपरा के अनुसार महाकाल को दिनभर जल अर्पित किया जाएगा। चार पहर की पूजा के चलते मंदिर रात भर खुला रहेगा और 16 फरवरी की रात शयन आरती के बाद करीब 10-45 बजे मंदिर के पट बंद होंगे। यानी करीब 44 घंटे लगातार महाकाल के दर्शन होंगे।इस बार महाशिवरात्रि पर महाकाल मंदिर को दक्षिण भारत के नटराज मंदिर की थीम विदेशी फूलों से सजाया गया है। आंगन में रंग-बिरंगी रंगोलियां बनाई गई हैं। इसके साथ ही पूरे महाकालेश्वर मंदिर में जगमग रोशनी लगाई गई है। उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह ने बताया है कि मंदिर में पूजा करने के लिए बड़ी संख्या में भक्त आ रहे हैं। भस्म आरती में भी भारी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। भक्तों को कोई परेशानी न हो, इसके लिए सही इंतजाम किए गए हैं।

38 देशों के साथ व्यापार समझौता, हम तैयार हैं वाले विकसित भारत का संकल्प है बजट

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को व्यापक रक्षा आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि सरकार का यह कर्तव्य है कि वह वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप सशस्त्र बलों को मजबूत करे, जैसा कि केंद्रीय बजट 2026 में किए गए बढ़े हुए आवंटन में परिलक्षित होता है। एक साक्षात्कार में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तत्परता का संकेत देता है। इस वर्ष का बजट भारत की एक विकसित राष्ट्र बनने की आकांक्षा को दर्शाता है।

बजट कोई मजबूरी से उत्पन्न अभी या कभी नहीं वाला क्षण नहीं है, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से उत्पन्न हम तैयार हैं वाला क्षण है।

देश के रक्षा बलों की सहायता करने और उन्हें मजबूत करने के लिए सरकार को जो भी करना होगा, करेगी। रक्षा बजट में बढ़ोतरी का जिक्र करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि सरकार की जिम्मेदारी है कि वह मौजूदा हालात के हिसाब से रक्षा क्षेत्र को आधुनिक बनाए। हमारे एफटीए (मुक्त व्यापार समझौते) का उद्देश्य वस्त्र, चमड़ा, रसायन, हस्तशिल्प, रत्न और अन्य क्षेत्रों में एमएसएमई के लिए बाजार पहुंच का विस्तार करना है। प्रधानमंत्री मोदी ने संप्रग सरकार के समय के 'आर्थिक कुप्रबंधन' की आलोचना करते हुए कहा कि उसने भारत को आत्मविश्वास के साथ बातचीत करने की स्थिति में नहीं छोड़ा। संप्रग सरकार के दौरान बातचीत शुरू होती थी और फिर टूट जाती थी, लेकिन लंबी बातचीत के बावजूद कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाता था।

पीएम मोदी ने कहा कि सुधार सरकार की प्रतिबद्धता है, जिसे उसने अपने शब्दों और भावना में प्रदर्शित किया है।

कोडिन रैकेट में अमित यादव की गिरफ्तारी से गरमाएगा सदन- मुख्यमंत्री योगी ने दी चेतावनी

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। करोड़ों रुपये के नशीले कफ सिरप फेंसेडिल के अवैध व्यापार और तस्करी के मुख्य आरोपियों में शामिल पूर्व सपा नेता अमित यादव की गिरफ्तारी से सोमवार को विधानसभा के बजट सत्र में भाजपा को पलटवार करने का मौका मिल गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पिछले शीतकालीन सत्र में हंगामा कर रहे सपा विधायकों को चेतावनी देते हुए कहा था कि इस रैकेट में जब सपा के लोग पकड़े जाएंगे और बुल्डोजर चलेगा तो हायतौबा मत करना।कोडीन कफ सिरप में वाराणसी एसटीएफ ने शनिवार को जिसकी गिरफ्तारी की है, वह अमित कुमार यादव समाजवादी पार्टी युवजन सभा का पूर्व प्रदेश सचिव और हरिश्चंद्र पीजी कॉलेज का पूर्व छात्रसंघ अध्यक्ष रह चुका है। वाराणसी निवासी अमित की गिरफ्तारी वाराणसी के बड़ागांव थाना क्षेत्र के हरहुआ रिंग रोड काशीधाम के पास से हुई है। एसटीएफ के अनुसार, मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल का करीबी रहा है।

पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि उसने करोड़ों रुपये की लगभग 1 लाख बोतल फेन्सेडिल कफ सिरप को फर्जी कागजातों के जरिए नशा करने वालों और तस्करों को ऊंचे दामों पर बेचा था। नशीली दवाओं को उत्तर प्रदेश के साथ-साथ उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश तक तस्करी करने वाले गिरोह का बड़ा आरोपी अमित यादव के पास से 1 आईफोन, आधार कार्ड, पैन कार्ड और नगदी बरामद की गई है। आरोपी के खिलाफ पहले से ही वाराणसी और लखनऊ में हत्या के प्रयास और धोखाधड़ी जैसे गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इस पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड आलोक सिंह (आलोक सिपाही) बताया जा रहा है, जिसे बर्खास्त किया जा चुका है। जांच में सामने आया कि शुभम जायसवाल, अमित यादव और मिलिंद यादव व्यापारिक साझेदार हैं और फर्जी फर्मों के जरिए नशे का कारोबार करते थे।दिलचस्प यह है कि बजट सत्र के पहले दिन ही सपा विधायकों ने राज्यपाल के अभिभाषण के दौरान सदन के भीतर और बाहर विरोध प्रदर्शन करते हुए इसी रैकेट को लेकर आरोप लगाए थे। वे मास्टरमाइंड आलोक सिंह और उसे संरक्षण देने वालों को बचाने का आरोप लगाते रहे। अब अमित यादव की गिरफ्तारी के बाद भाजपा और सहयोगी दलों के मंत्री-विधायक पलटवार करने से पीछे हटने वाले नहीं हैं। ऐसे में बजट पर चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का रुख क्या रहता है ।

मणिपुर में अलग-अलग अभियानों में 10 उग्रवादी गिरफ्तार

» बीपीएस न्यूज

इंफाल। मणिपुर के अलग-अलग हिस्सों में पुलिस एवं सुरक्षा बलों द्वारा बीते 24 घंटों के दौरान चलाए गये अभियानों में दो महिला समेत 10 उग्रवादियों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास हथियार बरामद किए गए हैं, जबकि बरामद आईईडी को नष्ट कर दिया गया।मणिपुर पुलिस मुख्यालय ने आज बताया कि सुरक्षा बलों ने आरपीएफ/पीएलए के दो सक्रिय कैडर को बीते शनिवार गिरफ्तार किया गया, जिनकी पहचान वैरोकपम सनाहल मैतेई उर्फ नोंगदंबा (46) और स्वयंभू लेफ्टिनेंट मयंगलंबम किरण सिंह उर्फ शांति उर्फ बोइपु (47) के रूप में की गई। दोनों को थौबल जिले से गिरफ्तार किया गया। उनके पास से दो मोबाइल फ़ोन और चार सिम बरामद हुए हैं।इसी बीच सुरक्षा बलों ने भारत- म्यांमार सीमा के जनरल एरिया से पीएलए की दो सक्रिय महिला कैडरों को टेंग्नौपाल ज़िले के मोरेह थाना क्षेत्र के सनराइज़ ग्राउंड और गेट नंबर 2, मोरेह के बीच से गिरफ़्तार किया है। दोनों की पहचान अकोईजाम सखेनबी (23) और चोंगथम हेम्बाबी (17) के रूप में की गई है।अन्य एक अभियान में सुरक्षा बलों ने प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर इंगुदम इंगोचा सिंह (50) उर्फ बोरोबी को सेइजांग माखा लेइकाई, इंफाल ईस्ट ज़िले से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक .32 बोर की पिस्तौल जिसमें पांच राउंड जिंदा कारतूस लोडेड था, 10 प्रीपाक (प्रो) विज़िटिंग कार्ड, एक होंडा एक्टिवा स्कूटर, 600 रुपये नकद और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया।सुरक्षा बलों ने अवैध धन वसूली करने वाले प्रीपाक (प्रो) के एक सक्रिय कैडर सोरोखाइबाम रंजीत सिंह (41) को इंफाल ईस्ट ज़िले के खबाम लमखाई इलाके से गिरफ्तार किया। उसके पास से दो मोबाइल हैंडसेट और एक आधार कार्ड ज़ब्त किया गया।

एक अन्य अभियान में सुरक्षा बलों ने केसीपी (अपुनबा) के एक सक्रिय कैडरखेतिक्स थोंगबाम (19) को गिरफ्तार किया। उसे इंफाल पश्चिम जिले के इंफाल थानांतर्गत इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसके पास से एक मोबाइल फोन और एक आधार कार्ड जब्त किया गया।

सुरक्षा बलों की तलाशी अभियान के एक अन्य अभियान में प्रीपाक के एक सक्रिय कैडर को इंफाल पूर्व जिले से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान इरेंगबाम सरतकुमार मैतेई (21) उर्फ अचौबा के रूप में की गयी है। उसके पास से एक मोबाइल फोन जब्त किया गया।

हाईकोर्ट : आर्थिक रूप से सशक्त पत्नी भी भरण-पोषण की हकदार

» बीपीएस न्यूज

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सीआरपीसी की धारा 125 के तहत भरण पोषण से संबंधित दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई करते हुए स्पष्ट किया कि धारा 125 का उद्देश्य केवल दरिद्रता दूर करना नहीं, बल्कि पत्नी को पति की सामाजिक-आर्थिक स्थिति के अनुरूप गरिमापूर्ण जीवन मुहैया कराना है। उक्त आदेश न्यायमूर्ति मदन पाल सिंह की एकलपीठ ने पुनरीक्षणकर्ता पति रविंदर सिंह बिष्ट की याचिका को खारिज करते हुए पारित किया। कोर्ट ने रेखांकित किया कि पत्नी का केवल शिक्षित या कार्यरत होना भरण-पोषण से इनकार का आधार नहीं बन सकता, विशेषकर तब जब दोनों पक्षों की आय क्षमता और वित्तीय स्थिति में स्पष्ट असमानता हो। मौजूदा याचिका परिवार न्यायालय, गाजियाबाद के अपर प्रधान न्यायाधीश के उस आदेश के खिलाफ दाखिल की गई थी, जिसमें पति को याचिका की तिथि से पत्नी को 15,000 रुपये प्रतिमाह भरण-पोषण देने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट में पति ने तर्क दिया कि पत्नी आर्थिक रूप से स्वतंत्र है और उसके आयकर रिटर्न (मई 2018) के अनुसार उसका वार्षिक वेतन 11,28,780 रुपये था, साथ ही यह भी कहा गया कि वह बीमार माता-पिता की देखभाल के कारण नौकरी छोड़ने को विवश हुआ और वित्तीय दायित्वों से बोझिल है। इसके विपरीत पत्नी की ओर से कहा गया कि पति ने अपनी वास्तविक आय छिपाई है।

ट्रायल कोर्ट में दिए बयान के अनुसार वह अप्रैल 2018 से अप्रैल 2020 तक जेपी मॉर्गन में कार्यरत था और लगभग 40 लाख रुपये वार्षिक पैकेज प्राप्त कर रहा था। इस पर कोर्ट ने यह भी नोट किया कि पति अपनी आय में कथित कमी या आर्थिक असमर्थता के समर्थन में कोई ठोस साक्ष्य प्रस्तुत नहीं

कैलिफोर्निया में मिला भारतीय छात्र का शव, छह दिन से था लापता

चंडीगढ़। अमेरिका के कैलिफोर्निया में लापता हुए 22 वर्षीय भारतीय छात्र साकेत श्रीनिवासैया मृत पाए गए हैं। इस दुखद घटना की पुष्टि सैन फ्रांसिस्को स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने की है। साकेत कर्नाटक के निवासी थे और(यूसी बर्कले) में मास्टर ऑफ साइंस कार्यक्रम में अध्ययनरत थे। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, वह पिछले मंगलवार यानी छह दिन पूर्व से लापता थे।कंसुलेट जनरल आफ इंडिया सैन फ्रांसिस्को ने रविवार को बयान जारी कर बताया कि स्थानीय पुलिस ने साकेत का शव बरामद कर लिया है।

टी20 में भारत ने पाकिस्तान पर लगाया जीत का छक्का

» बीपीएस न्यूज

कोलंबो।भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का रोमांचक मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। ईशान किशन की तूफानी अर्धशतकीय पारी की मदद से टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 10 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। भारत ने पाकिस्तान को 61 रन से हरा दिया। रविवार को टी20 विश्व कप 2026 का रोमांचक मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला गया। टॉस जीतकर पाकिस्तान ने भारत को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया। ईशान किशन की तूफानी अर्धशतकीय पारी की मदद से टीम इंडिया ने 20 ओवर में सात विकेट पर 175 रन बनाए। जवाब में पाकिस्तान की टीम 18 ओवर में 10 विकेट पर 114 रन ही बना पाई। मौजूदा टूर्नामेंट में यह भारत की लगातार तीसरी जीत है। वहीं, इस जीत के साथ सूर्यकुमार यादव के नेतृत्व वाली टीम ग्रुप ए की अंक तालिका में शीर्ष पर रहते हुए सुपर-8 में पहुंच गई।

176 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी पाकिस्तान की शुरुआत झटके के साथ हुई। शुरुआती दो ओवरों में ही उनके तीन विकेट गिर गए। पहले ओवर में हार्दिक पांड्या ने साहिबजादा फरहान को रिंकू सिंह के हाथों कैच कराया। वह खाता भी नहीं खोल पाए। इसके बाद पारी का दूसरा ओवर फेंकने आए बुमराह ने सईम अयूब (6) और कप्तान सलमान अली आगा (4) को पवेलियन की राह दिखाई।

बी पी एस न्यूज परिवार की ओर से सभी देशवासियों को महाशिवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं

संपादक
(बी.पी.साहू)
मो-8423454502,
व्हाटसअप-9335908846

बी पी एस न्यूज लेटेस्ट खबरें पढ़ने व देखने के लिए लॉगिन करें
www.bpsnews.in

अपनी बात....

संपादकीय .....

देशव्यापी साजिशों का हो पर्दाफाश

पिछले दिनों दिल्ली में अप्रत्याशित रूप से लोगों की गुमशुदगी की घटनाओं ने नीति-नियंताओं व अदालतों समेत पूरे देश का ध्यान खींचा। इस मामले में संज्ञान लेते हुए देश की शीर्ष अदालत ने केंद्र सरकार को इस बात की जांच करने के निर्देश दिए कि देश के विभिन्न इलाकों में बच्चों की लगातार लापता होने की घटनाओं में कहीं किसी देशव्यापी गिरोहों का हाथ तो नहीं है? संकट कितना बड़ा है यह इस बात से पता चलता है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार साल 2023 में सारे देश से करीब आठ लाख लोग लापता हुए हैं, जिनमें अधिकांशत- बच्चे, महिलाएं और लड़कियां शामिल रही हैं। जाहिर तौर पर लापता लोगों का बढ़ता आंकड़ा कहीं न कहीं तंत्र की लापरवाही को ही उजागर करता है, जिसके चलते अपराधी-तत्व अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो जाते हैं। इसी साल जनवरी के पहले पखवाड़े में सिर्फ दिल्ली से आठ सौ लोगों के लापता होने की खबरों ने देशवासियों की चिंताओं को बढ़ाया है। देशवासियों में इस बात को लेकर भी चिंता और नाराजगी है कि इस गंभीर आपराधिक संकट के समाधान के लिए राष्ट्रीय स्तर पर केंद्र सरकार और राज्य सरकारों के समन्वय से कोई व्यापक अभियान क्यों नहीं चलाया जाता। विडंबना यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर ऐसा कोई प्रामाणिक आंकड़ा उपलब्ध नहीं है, जिससे यह पता चल सके कि राज्यवार कितने लोग वापस लौटे हैं और कितने लोग अभी भी गायब हैं। निश्चित रूप से इस संकट से निपटने के लिए एकीकृत राज्यवार ब्योरा उपलब्ध कराने की जरूरत है। बताया जाता है कि केंद्र सरकार के प्रतिनिधि ने सुप्रीम कोर्ट में इस बात को स्वीकार किया है कि राज्यों से लापता बच्चों और उनसे जुड़े अभियोजन के अंतिम आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। दरअसल, यह पहली बार नहीं है कि शीर्ष अदालत ने लापता बच्चों के आंकड़े जुटाने को कहा हो। कोर्ट ने बीते साल दिसंबर में भी केंद्र सरकार से लापता बच्चों से जुड़े पिछले छह साल के देशव्यापी आंकड़े उपलब्ध कराने को कहा था।दरअसल, कोर्ट ने इस बाबत राज्य के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करके प्रामाणिक जानकारी जुटाने को कहा था। इतना ही नहीं, गुमशुदा बच्चों की तलाश के मामले में नोडल अधिकारियों की नियुक्ति के भी निर्देश दिए गए थे। इस दिशा में अपेक्षित प्रगति का न होना हमारे तंत्र की व्यवस्थागत कमियों को ही उजागर करता है। निर्विवाद रूप से सारे देश से यदि लाखों लोगों के लापता होने के आंकड़े सामने आ रहे हैं, तो बहुत संभव है कि इसके पीछे कोई संगठित गिरोह काम कर रहा होगा। साथ ही यह भी पता लगाने की जरूरत है कि लापता लोगों के मामले में अपराधियों की कारगुजारियों में कहीं एकरूपता तो नहीं है। विगत में मानव तस्करी के मामले गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं, जिसमें लड़कियों को देह व्यापार के धंधे में धकेलने के भी आरोप लगते रहे हैं। लेकिन इस संकट का समाधान तभी संभव होगा जब देश के सभी राज्यों से प्रामाणिक आंकड़े जुटाए जाएंगे। उनके व्यापक अध्ययन से अपराध करने की वास्तविक तस्वीर सामने आ सकेगी। इसके साथ ही जरूरी है कि राज्य सरकारें भी अपने दायित्व को गंभीरता से निभाएं। इस मामले में किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त न की जाए। इसके अलावा निगरानी के लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही भी सुनिश्चित की जानी चाहिए। देश की कानून-व्यवस्था में भरोसा कायम करने के लिए इन घटनाओं को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से लिया जाना भी जरूरी है। यहां इस बात की भी पड़ताल होनी चाहिए कि केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्रालय की तरफ से राज्यों में बच्चों की गुमशुदगी के आंकड़े दर्ज करने के लिए जो पोर्टल बनाया गया है, उसमें नियमित रूप से आंकड़े क्यों नहीं दर्ज किए जाते हैं। यह विडंबना है कि सरकारों को जिस दायित्व को अपने स्तर पर ईमानदारी से निभाने की जरूरत होती है, उसके लिये देश की शीर्ष अदालत को बार-बार याद दिलाना पड़ता है। नागरिकों को जागरूक करने के लिए भी सुरक्षा गाइड लाइन्स जारी करने की जरूरत है।

सोशल मीडिया के मोहपाश से मुक्ति की जरूरत

शिवम अग्निहोत्री

सोशल मीडिया पर बच्चों की अति सक्रियता उनकी शारीरिक-मानसिक सेहत, शिक्षा और सामाजिक सरोकारों पर असर डाल रही है। बच्चों को इस मोहपाश से बचाने की जरूरत है। भले ही हम बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध के विचार पर एतराज़ करें, लेकिन ठोस उपाय जरूरी हैं ताकि यह लत कम से कम हो पाए।ऐसा लगता है कि सोशल मीडिया में हमारी बढ़ती सक्रियता में सब कुछ ठीक नहीं है -खासकर, जिस प्रकार फेसबुक, इंस्टाग्राम और यूट्यूब जैसे प्लेटफॉर्म के प्रति आकर्षण हमारे बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर असर डाल रहा है- उनके बड़े होने की प्रक्रिया, सामाजिक मेलजोल, शिक्षा और आभासी दुनिया से जुड़ने के उनके ढंग पर।क्या यही वजह है कि ऑस्ट्रेलिया ने पहले ही 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया है, और कई यूरोपीय देश भी इसी राह पर हैं? भारत में भी, 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने को लेकर विचार जोर पकड़ने लगा है।

जरा कल्पना करें कि आपके बच्चे पर क्या गुजरेगी जब आप उससे कहें कि कुछ दिन के लिए वह स्मार्टफोन का इस्तेमाल न करे, और इसकी बजाय ध्यान केंद्रित कर पढ़ाई करने या अपने दोस्तों व प्रियजनों के साथ सीधे, आमने-सामने बात करें।जब मैं 16, 14 और 12 वर्षीय उन तीन बहनों के भाग्य के बारे में सोचता हूं, जिन्होंने गाजियाबाद की एक हाउसिंग सोसाइटी में अपने अपार्टमेंट की नौवीं मंज़िल से कूदकर जान दे दी, तो मुझे सच में डर लगता है। खबरों के मुताबिक, परिवार में कलह रहती थी, और सबसे विशेष बात, पिता अपनी तीनों बेटियों की सोशल मीडिया और टास्क-बेस्ड ऑनलाइन कोरियन गेम्स की लत से खुश नहीं थे। ऐसा लगता है कि वे तीनों यह %झटका% बर्दाश्त नहीं कर सकीं और उन्होंने अपनी जान लेने का फैसला किया। इन दिनों मेरा यह भरोसा पुख्ता होता जा रहा है कि तकनीक दुधारी तलवार है। मसलन, स्मार्टफोन जैसे उपकरण के बारे में सोचिए। यह जादुई है। यह किसी बच्चे या किशोरवय को दें। वह तुरंत पूरी दुनिया से जुड़ जाता है, फिल्म देखेगा, गाने सुनेगा, वीडियो गेम खेलेगा, किताब पढ़ेगा, रील और वीडियो बनाएगा, मैसेज भेजेगा और अपने ढंग से फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप का इस्तेमाल करेगा।यह तकनीकज़दा %स्मार्टनेस% उन्हें प्रभावित करेगी, लेकिन सच तो यह है कि स्मार्टफोन की यह लत उनसे कुछ ज़रूरी चीज़ भी छीन लेती है। जितना ज्यादा वे स्क्रीन की लत में फंसते जाएंगे उतना ही असल दुनिया से दूर होते जाएंगे; जितना ज़्यादा ऑनलाइन गेम खेलेंगे, उतने ही अकेले पड़ते जाएंगे, क्योंकि खुली जगह में अपने दोस्तों के साथ फुटबॉल या क्रिकेट खेलने से परहेज करने लगते हैं; वे जितना ज़्यादा स्क्रॉल करेंगे, उतना ही ध्यान केंद्रित करने की क्षमता घटती चली जाएगी;और सबसे बढ़कर, अपने वीडियो %वायरल% करने में वे जितना ज़्यादा समय खपाते हैं, उनके पास किताब को छूने, पढ़ने, महसूस करने, विश्लेषण करने और अनुभव करने के लिए उतना ही कम समय बचता है।यही विरोधाभास बताता है कि सोशल मीडिया उपयोग ने बच्चों की सेहत पर असर डालना शुरू कर दिया है, उनकी व्यग्रता बढ़ा दी है, अवसाद पैदा कर दिया और उनके आत्म-सम्मान को चोट पहुंचाई है। अमेरिकी सामाजिक ज्ञानमनोवैज्ञानिक जोनाथन हैड्ट ने सोचने पर मजबूर कर देने वाली अपनी किताब %द एंक्सियस जेनरेशन% में इस त्रासदी का विश्लेषण किया है। जैसा कि हैड्ट का तर्क है कि डिजिटल युग में पैरेंट्स द्वारा बच्चों पर ध्यान कम दिए जाने की वजह से, लत के समान और परस्पर होड़ करवाने वाले सोशल मीडिया तक उनकी पहुंच बिना किसी रोक-टोक हो गई है। वहीं, इसी प्रकार, %असल दुनिया में ओवर-पैरेंटिंग% की प्रवृत्ति (हर वक्त बच्चे के पीछे पड़े रहना) हमारे बच्चों की सामान्य विकास प्रक्रिया रोक रही है। यह देखकर दुख होता है कि बचपन अब 'खेल आधारित' नहीं रहा; 'फ़ोन आधारित' बन गया है। इसलिए, कोई हैरानी नहीं कि स्मार्टफ़ोन हमारे बच्चों को उनके ठीक इर्द-गिर्द के माहौल से दूर करता जा रहा है और असल ज़िंदगी की दोस्ती की जगह सतही ऑनलाइन चैट ले रही है। इसी को लेकर हैड्ट चेताते हैं कि इस 'व्यग्र पीढ़ी' में नींद की कमी, ध्यान भटकना और अकेलापन न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है। भारत में इस संकट की गंभीरता को समझें – शिक्षा के स्तर की वार्षिक रिपोर्ट (2024) के अनुसार, हमारे 76 प्रतिशत बच्चे (14-16 साल समूह) सोशल मीडिया तक पहुंच करने के लिए स्मार्टफ़ोन का इस्तेमाल करते हैं।इतना ही भयावह है जोखिमज़दा कच्चे दिमागों पर कंटेंट क्रिएटर्स या यू-ट्यूब 'इन्फ्लुएंसर' का प्रभाव। एक स्थिति की कल्पना करें- आपका बच्चा तब तक सो नहीं पाता जब तक वह हर रात किसी मशहूर 'इन्फ्लुएंसर' की मनगढ़ंत कहानियां न सुन ले – उत्तराखंड के एक छोटे से शहर का एक नौजवान जिसके 31 मिलियन से ज़्यादा सब्सक्राइबर हैं और वह अपनी फैंसी कारों– मर्सिडीज-बेंज जी-वैगन, पोर्शे 718 बॉक्सटर और टोयोटा फॉर्च्यूनर लेजेंडर -का गर्वपूर्ण प्रदर्शन करता रहता है।देखने वाले युवा को इस चकाचौंध भरी जीवनशैली से अपनी नाकाबिलियत और आत्म-सम्मान की कमी महसूस हो सकती है। जब इस किस्म का कोई 'इन्फ्लुएंसर' कच्चे मन वाले किसी किशोरवय की उम्मीदों को आकार देना शुरू देता है, तो वह यह मानने लग सकता है कि अगर कोई हर सुबह अपने परिवार के क्रिया-कलाप सोशल मीडिया पर डालकर इतना कमा सकता है, तो कड़ी मेहनत करने, मन लगाकर पढ़ाई करने और रचनात्मक कौशल बेहतर बनाने का क्या मतलब। क्या यही वजह है कि हम जहां-तहां युवाओं को फोन से रील बनाते, अपने वीडियो अपलोड करते, यूट्यूब या इंस्टाग्राम पर अपनी मौजूदगी दर्ज करवाते और त्वरित लोकप्रियता एवं सफलता पाने की कोशिश करते देखते हैं? 'लाइक और सब्सक्राइब' – मानो यह हमारे जमाने का पसंदीदा मंत्र बन गया है।सवाल है हम अपने बच्चों को इस मोहपाश से कैसे बचा सकते हैं। भले ही हम अपने बच्चों के लिए सोशल मीडिया उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने के विचार पर एतराज़ करें, लेकिन इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि अब समय है कि हम कुछ ठोस उपाय करें ।

खेसारी ने ब्राह्मण बच्चे के पैर छू लिए तो क्या पहाड़ टूट पड़ा

व्यंगिस्तान में बाप बदलने की प्रथा के मूलनायक

राजनीतिक विशलेषक एवं पत्रकार जौनपुर यूपी

पंकज सीबी मिश्रा

मुझे और मेरे लिखें लेख पढ़ने से पूर्व सोशल मिडिया से प्राप्त एक आइडिया से प्रेरित यह दोहा पढ़िए :- अच्छा लगे तो मुझे जरुर एक इमोजी और शॉल टाईप का कुछ देकर सम्मानित करियेगा क्यूंकि आजकल मुझ जैसे यंगिस्तान के व्यंग्य लेखको को आइडियाबाज कम पत्रकार ज्यादा मान कर सम्मान कम लोग ही दे पाते है। तो आप पहले ये पंक्तिया पढ़िए

हतो वा प्राप्स्यसि एक्सपिरियंस एक्सेप्टवा वा
प्राप्स्यसि हिंदू राष्ट्रम ।
तस्मादुत्तिष्ठ भारतम्य राहु - राहुल
कृतनिश्चय- जपत्वाम ।।

अर्थात मोदी जी द्वारा ठुकराए जाने पर अथवा राहुल गाँधी के एक्सपिरियंस एक्सेप्ट होने पर ही तुम्हे हिंदू राष्ट्र मिलेगा , इसलिए हे भारतवासी उठो और दृढ़ निश्चय के साथ राहु- राहु जपो। वैसे भी प्राचीन काल में एक अध्यापक ने अपने सरनेम के साथ एक गरीब के बच्चे को संपूर्ण शोषित वर्ग का राजा बना दिया था। आज उसी राजा को गुरू समाज सुधारक मानने वाले अधिनियम समाज के असंवैधानिक लोग एक ऐसी शेरनी का दूध पी रहे जो उन्हें अशिक्षित बना रही। वहीं कबीर दास ने भी कभी गुरु की महिमा में लिखा भी था :-

÷ गुरु गोबिंद दोऊ खड़े ,काके लागू पाव
बलिहारी गुरु आप ने गोबिंद दियो बताय ÷

लेकिन ये न्यू इंडिया हैं यहां साक्षरता और शिक्षित दर तो बढ़ी पर कुछ लोगों का मानसिक विकास नहीं हो पाया और ब्राह्मण सहित क्षत्रिय समाज को भला बुरा बोलकर अपने राजनीतिक चोचलो का प्रयोग कर एजेंडा बना रहें ताकि लाइम्ब्रीगिनी में घूम फिर सकें । एक गुरु जो लड़को से पैसे लेकर उन्हें दबे कुचले समाज का किंग बनाता है उसको इस समाज ने एक मामूली सांसद तो बना डाला पर उसे पीएम नहीं बनने दिया जा रहा यह शोषण नहीं तो और क्या है ! मुझे आजतक नहीं समझ आया लोग ओशो और बौद्ध दोनों को क्यों सुनते हैं ? जबकि ओशो और बौद्ध से अच्छे और ओरिजिनल विचार इंटरनेट पर उपलब्ध हैं। किसी ने लिखा कि दोनों ही कबीर दास जी की बेहद सस्ती कॉपी हैं, इन्हे सुनकर आपका ज्ञानवर्धन

तो कुछ होगा नहीं बल्कि ये आपको कन्फ्यूज जरूर कर देंगे। उधर यूजीसी समर्थन में प्रोटेस्ट कर रहे पांच हजार साल से प्यासे लोगो के बीच पहुँचे एक पत्रकार का इंटरव्यू वायरल हों गया।

पत्रकार ङ्क आप यहां संविधान की प्रति के साथ प्रदर्शन कर रहे है, आपके आदर्श कौन हैज?

वामपंथी ङ्क हमारे आदर्श पेरियार और अंबेडकर है, हम संविधान को बचाने आए हैं ।

पत्रकार ङ्क पेरियार ने 26 नवंबर 1957 को संविधान की प्रति जलाई थी, ये कहकर कि ये संविधान दलित विरोधी हैज.? क्या आप इसके बाद भी पेरियार के साथ है ?

वामपंथी ङ्क नहीं आप समझे नहीं, ये वह मामला नहीं है, ये सवाल ही हमारा शोषण है, हमे चाहिए आजादी ! तभी से वह पत्रकार सदमे में है और तभी बैंक ग्राउंड में एक म्यूजिक गूँजता है कि :- छोड़ा राजा दुबई सम्भारा मोर जवानी÷ और इसके बाद ही फेमस मोनुवादी बिरहा गायक रूचि यादव गिरफ्तार हो गई। अब अर्द्धजनरल वाले ओबीसी का कागज बना के विधायक तक बन जा रहे हैं। जी हाँ यह तो मियां का रिवाज़ हैं तो इसको लेकर हम बवाल नहीं काटेंगे। गलती से तिवारी, शुक्ला,राजपूत टाइटिल वाला यह कर रहा होता तो कल तड़के लछुमन टाईप पेरियार समर्थक तमाम बहुजन चिंतको के साथ गोष्ठी आयोजित कर देते। एक और मिशाल पेशे खिदमत है कि एक नॉन ब्राह्मण प्रोफेसर पर एक सज्जन और डिसेंट समाज के छात्र ने हाइड्रोसिल एक्ट लगवा दिया।

पुलिस ने विवेचना की और पाया कि उसको जाति सूचक की जगह नीच शब्द बोला गया था।राजस्थान हाई कोर्ट ने बड़ी मजम्मत के साथ खड़े ङ्क खड़े शब्दों में निंदा करते हुए हाइड्रोसिल एक्ट लगवाने वाले छात्र को चेतावनी दी और कहा नीच जाति सूचक शब्द नहीं होता और मैंने भी कहा सुनने की आदत डाल लें बेटवा काहें से अब तुझे आगे संसद में डकैत बनना है । उधर एक अन्य मामला जिसमें एचडीएफसी बैंक के आस्था सिंह बवाल में पहले पुरुष ने पुरुष होने का धौंस दिखाया। फिर स्त्री अपना आपा खो बैठी और उसने अपनी जाति का नाम लेकर ही सही उस पुरुष को हड़काया तो सही। इसमें गलत क्या हैं ? हम लोग या भारत रत्न बाबा साहब अंबेडकर भी तो यही चाहते थे कि स्त्रियां सशक्त बने। आज इसने आवाज उठाई तो बकलोल मूर्ख इसको ट्रोल कर रहे हैं। क्या गलत कहा इसने ? अपनी जाति का नाम लेना कब से गलत हो गया ..? तुम लोग भी तो गर्व से अपनी जाति का नाम लेते हो। आजकल एक अजीब ट्रेंड चल पड़ा है समाज मेंज कुछ लोग अभी भी मान बैठे हैं कि अगर अमीर दलित के घर उसका बेटा पैदा हुआ तो वह जन्म से शोषित और वंचित माना जायेगा भले वो चंद्रशेखर रावन का लईका हों पर ब्राह्मण का बेटा पैदा हुआ तो वह जन्म से ही पूजनीय घोषित ना होने पाए।अब सवाल यह उठता है कि जन्म से ही अमीर दलित का बेटा शोषित और वंचित कैसे होता है ? क्या गरीब ब्राह्मण धरती पर सिर्फ मजदूरी करने, आदेश सुनने और अपमान झेलने के लिए पैदा हुआ है ? खेसारी ने ब्राह्मण बच्चे के पैर छू लिए तो क्या पहाड़ टूट पड़ा ! जनता अब सिर्फ गाना नहीं सुनती, बातें भी सुनती है और समझती भी है । राजनीति और समाज दोनों जगह एक बात याद रखिए, जनता तालियाँ तो बजा देती है, लेकिन अपमान याद रखती है। शायद यही वजह रही कि जिस जनता ने दलित राजनीति के नेताओं को सिर पर बैठाया, उसी जनता ने फटका भी जड़ा और जमीन भी दिखा दी। लोकतंत्र का यही मज़ा हैज यहाँ स्टेज पर स्टार होना और जनता के दिल में जगह होना दो अलग बातें हैं। हमारा समाज बड़ा अजीब है। यहाँ कुछ बच्चों के पैर छूने में लोग पुण्य खोज लेते हैं, लेकिन उसी समाज में मजदूर के बच्चे से दिनभर काम करवाकर उसका पैसा देने में हाथ काँप जाता है।

मंदिरों में बराबरी की बातें होती हैं, संविधान की शपथ ली जाती है, लेकिन व्यवहार में जाति का चश्मा अभी भी आँखों पर चढ़ा रहता है। विडंबना देखिएज जो लोग अंधविश्वास और पाखंड को संस्कृति का नाम देकर बेच रहे हैं, उनके बच्चे सम्मान की कुर्सी पर बैठाए जा रहे हैं। और जो बच्चे अपनी मेहनत से जिंदगी बनाना चाहते हैं, उन्हें समाज बार-बार याद दिलाता रहता है कि उनकी औकात क्या है।लेकिन इतिहास गवाह है जब-जब समाज ने किसी वर्ग को दबाने की कोशिश की है, तब-तब वही वर्ग बदलाव का कारण बना है। अब वक्त बदल रहा है। नई पीढ़ी जाति से ज्यादा काबिलियत की बात कर रही है। सम्मान अब वंश से नहीं, व्यक्तित्व से तय हो रहा है। सच कड़वा होता है पर सच यही है कि समाज अब जाग रहा है। लोग अब यह समझने लगे हैं कि पूजा जन्म की भी और कर्म की भी होनी चाहिए। क्योंकि अगर समाज ने बराबरी नहीं सीखी, तो वह खुद अपनी जड़ों को कमजोर करता रहेगा।याद रखिए जनता कलाकार को स्टार बना सकती है, नेता को सिंहासन दे सकती है, लेकिन अगर वही जनता ठान ले तो स्टार को स्टेज से और नेता को कुर्सी से उतारने में देर नहीं लगती।

उधर रुचि यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है जबकि दुर्भाग्य हैं कि नेहा सिंह राठौर गिरफ्तार नहीं हुई । सपा प्रवक्ता मनोज यादव को दलित महिला उत्पीड़न में एसटीएफ उठा लें जाती है पर रोहणी घावरी आरोपों का रावन के सेहत पर कोई असर नहीं। इस तरह के गिरफ्तारी पर किसी भी अभिव्यक्ति के रखवालों की तरफ से कोई टिप्पणी नहीं हुई हैं वैसे होगी भी नहीं। अगर मुझे बोलने का हक चाहिए तो सामने वाले को भी उतना ही हक चाहिए। बीते दिनों यूजीसी एक्ट के मसले पर मेरे फेसबुक पर तमाम संविधान को मानने वाले गण यूजीसी एक्ट का विरोध करने पर मुझको गालिया और ट्रोल कर रहे थे। किसी ने उस एक्ट के दुरुपयोग होने पर उस लूप हॉल पर कोई बात नहीं की। ये भी चाहते हैं सवर्णों के बच्चे झूठे आरोपों में जेल जाये।

लेकिन हम हमने ना लाल टोपी पहनी हैं ना ही नीली । किसी के भी साथ अन्याय होगा या किसी पूर्वाग्रह के आधार पर किसी बेगुनाह को फसाया जाएगा तो हम उसके लिए आवाज जरूर बनेंगे। अगर किसी नेता की आलोचना मात्र से जेल होने लग जाए तो फिर जनता का काम मात्र वोटर भर बनकर रह जाएगा। मेरे गांव की सड़क अखिलेश यादव के राज में भी नहीं बनी ना योगी जी के दस वर्ष के शासन में बन पाई।

अपनी समस्या हमें बतायें

आपके साथ या आपके आस-पास कोई घटना, दुर्घटना, भ्रष्टाचार, जुर्म हुआ है या उत्पीड़न हुआ है अथवा आपके क्षेत्र की समस्या है और आपकी समस्या जायज है तो आपकी समस्याओं के समाधान हेतु सम्बन्धित उच्च अधिकारियों एवं शासन-प्रशासन तक पहुंचाने के लिये बी पी एस न्यूज आपके साथ है। आपकी खबर शत् प्रतिशत प्रकाशित की जायेगी। एवं आपका नाम व नम्बर आपके अनुसार प्रकाशित या पूर्णतया गुप्त रखा जायेगा।

दिये गये नम्बर पर काल करें या हमें ई मेल करें।

फोन नं.- 8423454502,
bps.knp786@gmail.com

आवश्यक सूचना

प्रिय ग्राहकों/विज्ञापनदाताओं को सूचित किया जाता है कि बीपीएस न्यूज समाचार पत्र में नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। कृपया चेक/डी.डी. बी पी एस न्यूज के नाम से ही चेक आदि भेजें। नगद भुगतान की व्यवस्था नहीं है। नगद भुगतान करने पर विज्ञापनदाता स्वयं जिम्मेदार होंगे।

- संपादक

आवश्यकता है

बी पी एस न्यूज राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र व ऑनलाइन न्यूज चैनल (पोर्टल) के लिये समस्त तहसीलों एवं ब्लाक स्तर पर ब्यूरो चीफ, संवाददाताओं, छायाकार तथा विज्ञापन प्रतिनिधियों युवक-युवतियों की आवश्यकता है।

संपर्क करें -:मो.: 8423454502
email:bps.knp786@gmail.com

फोटो परिचय

कानपुर। महाशिवरात्रि पर्व के उपलक्ष्य में पुलिस उपायुक्त यातायात रवीन्द्र कुमार द्वारा शहर के प्रमुख शिव मंदिरों— आनंदेश्वर मंदिर, बनखण्डेश्वर मंदिर एवं जागेश्वर मंदिर का भौतिक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़, यातायात व्यवस्था, पार्किंग प्रबंधन, बैरिकेडिंग, डायवर्जन प्लान का विस्तृत अवलोकन किया गया एवं सम्बंधित को निर्देशित किया गया कि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता पर रखा जाए। मंदिरों के आसपास सुगम एवं सुरक्षित यातायात संचालन सुनिश्चित किया जाए।

प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की पढ़ाई अब नहीं रुकेगी, ईंट-भट्ठों पर सुविधाएं सुनिश्चित होंगी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में ईंट-भट्ठों पर कार्यरत प्रवासी श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं को लेकर ठोस निर्णय लिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि किसी भी परिस्थिति में इन बच्चों की पढ़ाई बाधित नहीं होने दी जाएगी।

बैठक में बताया गया कि अधिकांश श्रमिक उड़ीसा सहित अन्य राज्यों से नवंबर-दिसंबर में जनपद आते हैं और कुछ माह कार्य करने के बाद वापस लौट जाते हैं। इस कारण उनके बच्चों की शिक्षा निरंतर नहीं रह पाती। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ऐसे सभी बच्चों का चिन्हीकरण कर उन्हें शारदा योजना (स्कूल हर दिन आए) के अंतर्गत विद्यालयों से जोड़ा जाए। नामांकन से पूर्व बच्चों को ब्रिज कोर्स कराया जाएगा और तत्पश्चात आयु-संगत कक्षा में प्रवेश दिया जाएगा।

प्रवासन की स्थिति में बच्चों को टीसी, अंकपत्र एवं अन्य आवश्यक अभिलेख समय से उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे वे अपने गृह जनपद में आगे की पढ़ाई जारी रख सकें। जिलाधिकारी ने बीएसए को निर्देशित किया कि सभी चिन्हित बच्चों का निकटवर्ती परिषदीय विद्यालय में नामांकन सुनिश्चित किया जाए तथा उनका आधार पंजीकरण भी कराया जाए।

जिलाधिकारी ने ईंट-भट्ठा स्थलों पर श्रमिकों और उनके बच्चों के लिए क्रेच, खेल क्षेत्र, स्वच्छ पेयजल एवं शौचालय

जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। साथ ही स्पष्ट किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों से किसी भी दशा में श्रम न कराया जाए और श्रम कानूनों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

सहायक श्रम आयुक्त राम लखन पटेल ने बताया कि बिल्ड एंड अदर कंस्ट्रक्शन वर्कर (बीओसीडब्ल्यू) के अंतर्गत जनपद में 10,032 श्रमिक पंजीकृत हैं। उन्होंने भट्ठा मालिकों से सभी श्रमिकों का अनिवार्य पंजीकरण कराने का आग्रह किया, जिससे उन्हें शासकीय योजनाओं का लाभ मिल सके।

बैठक में ईंट-भट्ठा एसोसिएशन के गोपी श्रीवास्तव, सुभाष महाना, राकेश वर्मा, जागृति बाल विकास समिति की विजया रामचंद्रन तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार व्यापारियों पर कर रही उत्पीड़न

» अमेरिकी सेबों के आयात पर छूट देने से 5 लाख कामगार बेरोजगार होंगे

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। समाजवादी पार्टी व्यापार सभा की कार्य समिति की मासिक बैठक महानगर अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद की अध्यक्षता में शाम 4 बजे सपा हाल 7- नवीन मार्केट परेड में आरम्भ हुई। बैठक को सम्बोधित करते हुए सपा अध्यक्ष हाजी फ़ज़ल महमूद ने कहा कि भाजपा सरकार व्यापारियों का उत्पीड़न कर रही है अमेरिकी सेब के आयात में छूट देकर एक तरफ सेब उत्पादक किसान बरबाद होगा और दूसरी ओर 50 लाख से अधिक कामगार प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप में बेरोजगार हो जाऐगें।

सम्बोधन में कहा कि होली का पर्व आ रहा है बाजार में व्यापारी परेशान है। क्योंकि आटा, दाल, सरसो के तेल,चावल के दामों में बेतहाशा वृद्धि के कारण परिवार चलाना मुश्किल हो गया है। सरकार अपनी कथनी करनी से हट गयी है जिसे व्यापार सभा 2027 में भाजपा को सबक सिखाने के लिये अभियान चलायेगी। बैठक में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य काले खान ने एस.आई.आर.(स्क्रुक्र) के मुद्दे पर विस्तार से चर्चा करते हुए कहा कि मतदाता पुनरीक्षण प्रक्रिया पूरी पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ होनी चाहिए, ताकि किसी भी पात्र मतदाता का नाम सूची से वंचित न हो। उन्होंने कार्यकर्ताओं से अपील की कि वे बूथ स्तर पर सजग रहकर जनता की सहायता करें।किदवई नगर विधानसभा प्रभारी सचिन सिंह ने बजट पर चर्चा करते हुए कहा कि सरकार का बजट व्यापारी, युवा और मध्यम वर्ग की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतरा है।

समाजवादी पार्टी आम जनता की आवाज़ को मजबूती से उठाती रहेगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से व्यापार सभा अध्यक्ष नंदलाल जयसवाल, प्रदेश सचिव के के शुक्ला, वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिन्टू, नाथ तिवारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य काले खा, किदवई नगर विधानसभा प्रभारी सचिन सिंह, महासचिव जफरुल हसन आशीष जयसवाल, मो रिजवान,संदीप तिवारी, आशीष यादव, मो सगीर, शुभम गुप्ता, अस्मित सिंह, कीर्ती अग्निहोत्री, जस्वेन्द्र निषादवार्ड 93 अध्यक्ष पांडे, वार्ड 16 अध्यक्ष जैनुल अंसारी, कमलेश राकेश कुमार संगीता आदि लोग मौजूद रहे।

अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) द्वारा थाना घाटमपुर, सजेती एवं नौबस्ता का किया गया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। अपर पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ0 विपिन ताडा द्वारा थाना घाटमपुर, सजेती एवं नौबस्ता का औचक निरीक्षण किया गया।निरीक्षण के दौरान साइबर डेस्क, ष्टष्टअहस्र कार्यालय तथा थाना परिसर का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेन्द्र नाथ चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

डॉ0 विपिन ताडा द्वारा अभिलेखों, लंबित प्रकरणों एवं साइबर शिकायतों की विस्तृत समीक्षा की गई तथा संबंधित अधिकारियों को कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी एवं पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए गए। साथ ही थाना परिसर की स्वच्छता एवं अभिलेखों के सुव्यवस्थित रख-रखाव हेतु सख्त निर्देश प्रदान किए गए।

इसी क्रम में आगामी पर्व महाशिवरात्रि के दृष्टिगत स्थानीय सभ्रांत व्यक्तियों से संवाद स्थापित कर सुदृढ़ कानून-व्यवस्था बनाए रखने के संबंध में आवश्यक चर्चा की गई तथा पुलिस प्रशासन की ओर से शांति एवं सुरक्षा बनाए रखने का आश्वासन दिया गया।

शैक्षणिक सत्र से पहले अभियान चलाकर बनाया जाए 0-5 आयु वर्ग के बच्चों का आधार: डीएम

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आधार नामांकन और अपडेट से जुड़े लंबित प्रकरणों पर जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने सख्त रुख अपनाया है। जिला स्तरीय आधार मॉनिटरिंग समिति (डीएलएएमसी) की बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि 18 वर्ष से अधिक आयु के सभी आधार आवेदन अधिकतम 45 दिनों के भीतर निस्तारित किए जाएं।बैठक में 5 से 7 वर्ष आयु वर्ग (एमबीयू-1) तथा 15 से 17 वर्ष आयु वर्ग (एमबीयू-2) के लंबित मामलों की समीक्षा की गई। डीएम ने इनका शत-प्रतिशत निस्तारण शीघ्र सुनिश्चित करने को कहा। 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का आधार नामांकन अभियान चलाकर पूरा करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने वाला है और प्रवेश के समय आधार की आवश्यकता होगी, इसलिए बाल आधार संतृप्ति पर विशेष ध्यान दिया जाए।जनपद में वर्तमान में 241 आधार किट सक्रिय हैं। जनवरी 2026 से अब तक 9093 नए आधार बनाए गए हैं, जबकि 69618 आधार अपडेट किए गए। यूआइडीएआइ एएसके केंद्र ने सर्वाधिक 2189 नए आधार और 19716 अपडेट किए। इंडियन पोस्ट पेमेंट बैंक ने अपनी 67 किटों के माध्यम से 1253 नए आधार बनाए तथा 3781 अपडेट किए।

बैठक में मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन, बेसिक शिक्षा अधिकारी समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम डैशबोर्ड पर योजनाओं की समीक्षा

जिलाधिकारी ने सीएम डैशबोर्ड पर अंकित योजनाओं की भी समीक्षा की। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, आईसीडीएस पोषण अभियान, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति दशमोत्तर छात्रवृत्ति, सामान्य वर्ग पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना, जल जीवन मिशन और फैमिली आईडी सहित विभिन्न योजनाओं की प्रगति पर चर्चा की गई।डीएम ने निर्देश दिया कि नगर निगम के सभी जोनल कार्यालयों में फैमिली आईडी बनाने के लिए विशेष कैंप लगाए जाएं और सभी सरकारी कर्मचारियों का फैमिली आईडी बनना सुनिश्चित किया जाए। सीएमआइएस पोर्टल पर अंकित परियोजनाओं को समयबद्ध और गुणवत्ता के साथ पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

ऑटो चालक द्वारा महिला पर ब्लेड से किया गया हमला, घायल

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। योगेश कुमार, अपर पुलिस उपायुक्त दक्षिण ने पत्रकारों को बताया कि 12 फरवरी की रात्रि में किदवई नगर थाना अंतर्गत क्षेत्र में ऑटो पलटने की घटना को लेकर विवाद हो गया था। उक्त प्रकरण में ऑटो चालक एवं उसके एक साथी द्वारा मौके पर बीच-बचाव करने आई महिला एवं उसके परिजनों के साथ मारपीट की गई।

इसी दौरान ऑटो चालक द्वारा महिला पर ब्लेड से हमला किया गया, जिससे महिला को चोटें आईं। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना किदवई नगर में सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत किया गया है।प्रकरण में एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि दूसरे अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम द्वारा लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। शीघ्र ही उसे भी गिरफ्तार कर विधिक कार्रवाई करते हुए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाएगा।

जिला विद्यालय निरीक्षक के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए किया पैदल मार्च, दिया ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। पैदल मार्च के आज पाचवे दिन श्याम अनन्त भोग, अजगैन से यात्रा पारम्भ हुई। 11 सदस्यों से अधिक सदस्यों ने जिला विद्यालय निरीक्षक कानपुर नगर के विरुद्ध नारेबाजी करते हुए पैदल मार्च प्रारम्भ करने से 2 किलोमीटर ही पहुंच पाये थे।

कि मुख्यमंत्री के निर्देश के अनुपालन में डी0जी0पी0 के आदेश पर एसीपी हसनगंज (अरविन्द चौरसिया) की अगुवाई में प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार सिंह) ने मौके पर दल-बल के साथ यात्रा को रोकने का अनुरोध किया।पैदल मार्च की अगुवाई करने वाले शिक्षक एशिक्षणोत्तर संघ के संयोजक हरिश्चन्द दीक्षित ने बिना जापन दिये पारा को रोकने पर पैदल मार्च करने वालों की पहली विहार के लान में बैठाया तथा चौरसिया ने अवगत कराते हुए बताया कि रात्रि 11ः00 बजे मुख्यमंत्री द्वारा संज्ञान लिये जाने पर डी0जी0पी0 उत्तर प्रदेश ज्ञापन लेकर समस्या का समाधान करने का आश्वासन देते हुए जिला वि?द्यालय निरीक्षक पर कड़ी कार्यवाही का आश्वासन दिया है।उक्त आश्वासन पर सभी

पैदल मार्च करने वाले शिक्षकों, कर्मचारियों ने विचार करते हुए उच्च अधिकारी के माध्यम से ज्ञापन प्राप्त करने तथा मुख्यमंत्री को भेजने की मांग रखी। जिस पर ए0सी0पी0, हसनगंज ने तीन ज्ञापन स्वीकार करते हुए आश्वसत किया कि ये ज्ञापन 15 मिनट के अन्दर मुख्यमंत्री के कार्यालय में पहुंचा दिया जायेगा।पैदल मार्च करने वालों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी उक्त बारा को सर्वानुमति से माए मुख्यमंत्री जी के आश्वसन पर यात्रा स्थागित कर दी गई पैदल मार्च करने वालों में दीक्षित के अलावा शिवबहादुर, पंकज कुमार वर्मा, राजेन्द्र कुरील, सेवक राम, अफजाल अहमद, इक्द्वार अहमद, उमेश चन्द, जितेन्द्र बाल्मिकि, अनन्त स्वरूप, सुनील कुमार शर्मा, अकुर यादव, इन्द्रपाल अनिल कुमार, अजीत कुमार सिंह आदि लोग मौजूद रहे।

लापरवाही पर डीसी एनआरएलएम व डीएमएम को नोटिस

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कल्याणपुर विकास खंड में हुए औचक निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़े कार्यों में गंभीर शिथिलता पर कड़ा रुख अपनाया। स्वयं सहायता समूहों और बीसी सखी व्यवस्था की समीक्षा में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर जिलाधिकारी ने डीसी एनआरएलएम तथा डिस्ट्रिक्ट मिशन मैनेजर को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।निरीक्षण की शुरुआत विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण अभियान के अंतर्गत संचालित सुनवाई प्रक्रिया से हुई। एईआरओ प्रिया गौतम सुनवाई

करती हुई मिलीं। जिलाधिकारी ने लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी से जुड़े मामलों की जानकारी ली और निर्देश दिया कि जो व्यक्ति प्रथम सुनवाई में उपस्थित नहीं हो पाए हैं, उन्हें नियमानुसार पुनः अवसर दिया जाए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक प्रकरण का परीक्षण तथ्यों के आधार पर किया जाए और किसी पात्र मतदाता का नाम अनावश्यक रूप से प्रभावित न हो।इसके बाद समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित निराश्रित महिला पेंशन योजना की समीक्षा की गई। सोमवती के 27 अगस्त 2025 के आवेदन की वर्तमान स्थिति स्पष्ट करने के निर्देश दिए गए। साथ ही पांच आवेदनों को यादृच्छिक रूप से चयनित कर उनकी प्राप्ति तिथि, प्रक्रिया की प्रगति और भुगतान की स्थिति की जांच कर आख्या प्रस्तुत करने को कहा गया। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि पेंशन योजनाओं में देरी या अस्पष्टता स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी आवेदनों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए।ब्लॉक परिसर स्थित एनआरएलएम कार्यालय में समूह गठन, बैंक लिंकेज और आजीविका गतिविधियों की समीक्षा के दौरान आशा महिला उत्पादन समूह के 14 अक्तूबर 2025 के आवेदन पर बैंक खाता खुलने के बाद की कार्यवाही स्पष्ट नहीं की जा सकी।महिला स्वयं सहायता समूहों की नियमित समीक्षा और बीसी सखी व्यवस्था की मॉनिटरिंग में भी अपेक्षित गंभीरता न पाए जाने पर डीसी एनआरएलएम के विरुद्ध कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने कहा कि बीसी सखी तंत्र ग्रामीण महिलाओं को बैंकिंग सेवाओं से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम है, इसमें किसी भी स्तर की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी।निरीक्षण के दौरान खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। जिलाधिकारी ने सभी बिंदुओं पर निर्धारित समय में तथ्यात्मक और स्पष्ट आख्या प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को रौंदा, साथी हुआ गंभीर

कानपुर। कानपुर इटावा हाईवे पर शुक्रवार सुबह तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार युवक को रौंद दिया, जबकि साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा पनकी में भाटिया तिराहे के पास हुआ। घटना के बाद चालक फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।सचेंडी के भीमसेन निवासी 42 वर्षीय मनोज कुमार राज मिस्त्री का कार्य करते थे। वह तीन वर्षों से माल रोड के पास निर्माणाधीन अपार्टमेंट में काम कर रहे थे। शुक्रवार सुबह वह गांव के साथी विवेक गौतम (30) के साथ बाइक से काम पर निकले। बाइक विवेक चला रहा था, जबकि मनोज कुमार पीछे बैठे थे। भाटिया तिराहे से पहले तेज रफ्तार डंपर ने उनकी बाइक को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। विवेक उछलकर दूर जा गिरा, जबकि डंपर का पहिया मनोज को रौंदता हुआ निकल गया। पुलिस ने दोनों को अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने मनोज को मृत घोषित कर दिया। विवेक के दोनों पैरों में गंभीर चोटें आई हैं ।

अग्रवाल ब्रदर्स के मालिक विनोद अग्रवाल की पांच संपत्तियां फ्रीज

वाराणसी कमिश्नरी पुलिस ने की कार्रवाई,पत्नी और बेटे के नाम मिली संपत्तियां

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। वाराणसी कमिश्नरी पुलिस ने सिविल लाइंस, बिरहाना रोड, जाजमऊ और दहेली सुजानपुर में कार्रवाई की। कोडीनयुक्त कफ सिरप, नशीली दवाओं के कारोबार करने के आरोप में विनोद अग्रवाल कानपुर जेल में है।

वाराणसी कमिश्नरी पुलिस ने गुरुवार को कोडीनयुक्त कफ सिरप और नशीली दवाओं के कारोबार करने के आरोपी विनोद अग्रवाल की शहर में पांच संपत्तियों को फ्रीज किया। यह संपत्तियां सिविल लाइंस, बिरहाना रोड, जाजमऊ और दहेली सुजानपुर में हैं। बैंक खातों और संपत्तियों की अनुमानित कीमत करीब 5.25 करोड़ है। वाराणसी से एसीपी डॉ. विद्युत सक्सेना, थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी और उनके साथ कानपुर कमिश्नरी का फोर्स रहा। पुलिसकर्मियों ने संपत्ति को फ्रीज होने का पोस्टर भी चस्पा किया है।

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीम ने 11 नवंबर 2025 को बिरहाना रोड दवा मार्केट, फीलखाना और कलक्टरगंज में छापा मारा था। वहां कोडीनयुक्त कफ सिरप और अन्य नशीली दवाओं की बिक्री होने की आशंका थी। कलक्टरगंज पुलिस ने अग्रवाल ब्रदर्स के संचालक विनोद अग्रवाल, बेटा शिवम अग्रवाल और पत्नी सविता अग्रवाल के खिलाफ विभिन्न धाराओं में एफआईआर कराई थी। क्राइम ब्रांच ने 25 जनवरी 2026 को विनोद अग्रवाल को हरियाणा से गिरफ्तार जेल भेजा। विनोद के खिलाफ वाराणसी के सारनाथ थाने में एफआईआर थी। पिछले दिनों सारनाथ थाने की पुलिस उसे रिमांड पर लेकर पूछताछ कर चुकी है। आरोपी की पत्नी और बेटे की तलाश जारी है।

एसीपी डॉ. विद्युत सक्सेना के मुताबिक कोडीनयुक्त कफ सिरप और नशीली दवाओं के कारोबार करने में सारनाथ थाने में एफआईआर लिखी है। यह कार्रवाई सारनाथ की पीडी फार्मा और प्रयागराज के एमके हेल्थकेयर के खिलाफ हुई थी। संचालकों को गिरफ्तार किया गया था। प्रारंभिक जांच में दोनों फर्मों को कफ सिरप सुपर स्टॉकिस्ट अग्रवाल ब्रदर्स की ओर से दिए जाने की जानकारी हुई। बिल और स्टॉक की और पड़ताल करने पर चौंकाने वाले तथ्य सामने मिले। पीडी फार्मा ने 10 करोड़ रुपये एमके हेल्थकेयर को दिए जबकि एमके हेल्थकेयर ने छह करोड़ रुपये अग्रवाल ब्रदर्स के खाते में ट्रांसफर किए। इन रुपयों के बदले केवल 90 हजार कोडीनयुक्त सिरप लिए जाने की जानकारी हुई। ऐसे में मनी लॉड्रिंग की आशंका है। रुपये आपस में ही ट्रांसफर किए गए हैं। बिल और फर्में भी फर्जी होने की आशंका है। अग्रवाल ब्रदर्स का मालिक विनोद अग्रवाल है।

सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि पांचों संपत्तियां विनोद अग्रवाल के अलावा पत्नी और बेटे के नाम पर हैं। एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत पांचों संपत्तियों को फ्रीज किया गया है। इन संपत्तियों को सीज करने के लिए भी पत्राचार किया जा रहा है। सिविल लाइंस के गोपाल विहार में 222.40 वर्ग मीटर और 130.03 वर्ग मीटर के दो प्लॉट फ्रीज किए गए हैं। बिरहाना रोड, श्यामनगर में मधुवन पार्क के सामने और जाजमऊ में एमरॉल्ड गुलिस्तां के पास खाली प्लॉट को फ्रीज किया गया। उसके खाते में 37 लाख रुपये मिले हैं। नकद राशि और सभी प्लॉट को मिलाकर अनुमानित कीमत 5.25 करोड़ है।

जिलाधिकारी ने राष्ट्रीय कृमि मुक्ति दिवस का किया शुभारंभ

» डीएम ने खिलाई बच्चों को पेट के कीड़े की दवा

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। राजकीय बालिका विद्यालय, चुन्नीगंज में मंगलवार को राष्टीय कृमि मुक्ति दिवस का शुभारंभ जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने बच्चों को पेट के कीड़े की दवा खिलाकर किया। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों को कृमि संक्रमण से होने वाले दुष्प्रभावों तथा उससे बचाव के उपायों की जानकारी दी और बच्चों से संवाद किया। उन्होंने कहा कि नियमित कृमि मुक्ति से बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास बेहतर होता है तथा यह अभियान स्वस्थ समाज की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. हरिदत्त नेमी ने बताया कि अभियान जनपद के समस्त शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी, गैर-सरकारी और निजी विद्यालयों तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में संचालित किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की टीमें निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बच्चों को दवा उपलब्ध करा रही हैं।अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. रमित रस्तोगी ने दवा की खुराक के संबंध में जानकारी देते हुए बताया कि 1 से 2 वर्ष तक के बच्चों को आधी गोली पीसकर, 2 से 3 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली पीसकर तथा 3 से 19 वर्ष तक के बच्चों को एक गोली चबाकर दी जाएगी। किसी प्रकार की असुविधा होने पर टोल फ्री नंबर 18001803024 पर संपर्क किया जा सकता है। 10 फरवरी को जो बच्चे दवा लेने से छूट जाएंगे, उन्हें 13 फरवरी को मॉपअप राउंड में दवा दी जाएगी।

कार्यक्रम में उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. कैलाश चंद्र, प्रधानाचार्य मंगलम गुप्ता, डीसीपीएम योगेंद्र सिंह पाल, डीईआईसी मैनेजर अजित सिंह, डीपीएम अश्वनी गौतम सहित स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पुलिस उपायुक्त दक्षिण द्वारा पातालेश्वर महादेवन मंदिर की सुरक्षा का लिया गया जायजा

कानपुर। पुलिस उपायुक्त दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी द्वारा आगामी त्यौहार महाशिवरात्रि के पर्व के दृष्टिगत थाना सेन पश्चिम पारा अंतर्गत चौकी न्यू आजाद नगर में पातालेश्वर महादेवन मंदिर में जाकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। महाशिवरात्रि में लगने वाले मेले के आयोजकों के साथ वार्ता की गई। सुचारू रूप से शांति व्यवस्था बनाए रखने व मार्ग का निरीक्षण कर यातायात व्यवस्था बनाए रखने के सम्बन्ध में मौजूद पुलिस बल को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। मौके पर प्रभारी निरीक्षक सेन पश्चिम पारा एवं सम्बंधित पुलिस बल मौजूद रहे ।

क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय का डीएम ने किया औचक निरीक्षण, छह स्वास्थ्यकर्मी मिले अनुपस्थित

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने प्रातः 10:25 पर गीता नगर स्थित क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छह कार्मिक अनुपस्थित मिले। अनुपस्थित कार्मिकों में संदीप कुमार कटियार, चंद्रशेखर गौड़, श्रुति वर्मा नंदराम प्रजापति और विजय शामिल है। डॉ रवि गुप्ता ने जिलाधिकारी को अवगत कराया कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी डॉ कप्तान सिंह जनपद कानपुर देहात में आधिकारिक कार्य से गये हुए हैं। वही चौबेपुर स्थित आयुर्वेदिक स्वास्थ्य केंद्र में तैनात डॉ राघवेंद्र प्रताप सिंह से जिलाधिकारी ने फोन पर वार्ता की, जिससे स्पष्ट हुआ कि वे उस समय तक स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंचे हैं। जिलाधिकारी ने सभी अनुपस्थित 6 कार्मिकों का एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया।

उपस्थिति पंजिका में हस्ताक्षर मिला लेकिन डॉक्टर नहीं

इसके बाद जिलाधिकारी ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, कल्याणपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय मेडिकल ऑफिसर डॉ सुनीता सेठ उपस्थित मिली। जिलाधिकारी ने उपस्थिति पंजिका का अवलोकन किया जिसमें टेलीमेडिसिन डॉ प्रकांक्षा कटियार का हस्ताक्षर मिला, लेकिन वे मौके से नदारद थी। जिस पर डीएम ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और एक दिन का वेतन काटने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने मरीजों एवं उनके तीमारदारों से भी बात की और मिल रही सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। मरीजों ने स्वास्थ्य सुविधाओं पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के समय तक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में 11 ओपीडी, 4 जांच और 3 बच्चों का टीकाकरण हो चुका था।

गुड फ्राइडे व ईस्टर पर्व में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस आयुक्त को सौंपा ज्ञापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। यूनाइटेड क्रिश्चियन कमेटी कानपुर एवं पास्टर्स एसोसिएशन उ0प्र0 के द्वारा प्रशासन के द्वारा क्रिश्चियन समाज के सभी पर्वो में शांति के साथ मनाने में आपका सहयोग प्राप्त होता रहा है। इस वर्ष भी क्रिश्चियन समाज के रोजे (उपवास) जो 18 फरवरी 2026 से प्रारम्भ होकर 40 दिनों तक 03 अप्रैल 2026 (गुड़ फ्राइडे) तक चलेगे। इन 40 दिनों के उपवास में प्रतिदिन चर्च के सदसयों, जो कानपुर शहर के सभी थाना क्षेत्रों में निवास करते है उनके घरों में प्रार्थना सभाओं का आयोजन बड़ी शांति के साथ प्रतिदिन किया जाता है।विगत कुछ वर्षों में इन प्रार्थना सभाओं में असामाजिक तत्वों द्वारा व्यवधान उत्पन्न किया गया है एवं कई झूठे आरोप भी लगाकर प्रार्थना सभाओं को रोका गया है। इन 40 दिनों में उपवास को क्रिश्चियन समाज के लोग एक पवित्र माह एवं पवित्र उपवास के रूप में मनाते है और शांति के साथ सभी लोगो के लिये प्रार्थना करते है। साथ ही 03 अप्रैल 2026 को गुड फ्राइडे सर्विस कानपुर के प्रत्येक चर्च में सुबह 11:30 से दोपहर 03:00 बजे तक होती है एवं 05 अप्रैल 2026 को ईस्टर पर्व की आराधना सुबह 09:00 से दोपहर 12:00 तक प्रत्येक चर्च में की जाती है साथ ही पिछले 60 वर्षों से यूनाइटेड क्रिश्चियन कमेटी ऑफ कानपुर के द्वारा यूनाइटेड ईस्टर डॉन सर्विस का आयोजन भोर के समय (प्रातः 02:30) से क्राइस्ट चर्च इण्टर कॉलेज ग्राउन्ड में किया जाता है।जिसमें 18 फरवरी 2026 से प्रारम्भ होने वाले 40 दिनों के उपवास प्रार्थनाओं के दौरान मसीह समाज एवं उनके चर्च को सुरक्षा प्रदान की जायें ताकि पूरा मसीह समाज शांति के साथ अपने पर्वो को मना सके। साथ ही शहर के सम्बन्धित थाना क्षेत्रों को निर्देशित करने की कृपा करें।इस प्रतिनिधि मण्डल में यूनाइटेड क्रिश्चियन कमेटी ऑफ कानपुर के अध्यक्ष पादरी जितेन्द्र सिंह, महासचिव मिस्टर सी0 डैनियल, पादरी संजय आल्विन, क्राइस्ट चर्च के पादरी संतोष पाण्डेय, कैथनिक एसोसिएशन के अध्यक्ष भाई नोएल जॉर्ज मेथोडिस्ट चर्च के पादरी विल्सन विक्टर, पादरी सैमसन मसीह, पादरी अनिल गिल्बर्ट, पादरी ए0बी0 सिंह, पादरी आनन्द मसीह, पादरी डी0के0 सागर, पादरी इन्द्र कुमार, पादरी सैमुअल कुमार, पारीर छाकेश मैसी, पादरी राजीव मैसी, पादरी जितेन्द्र कुमार, पादरी अजीत कुमार, भाई विशाल डैनियल, पादरी जॉनसन थॉमस, पादरी जगराम सिंह,पादरी नरेन्द्र कुमार,पादरी रंजीत मसीह,पादरी राजू ऑल्विन,पादरी संदीप मसीह,पादरी दीपक कुमार पादरी संजय राज सिह,पादरी पादरी आदित्य सविता अमर सिंह, इत्यादि लोग रहे।

आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ द्वारा 20 सूत्रीय मांगों के समर्थन में धरना देते हुए किया विरोध प्रदर्शन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। आयकर कर्मचारी महासंघ एवं आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ, पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल की संयुक्त संघर्ष समिति द्वारा केंद्रीय संयुक्त संघर्ष समिति, नई दिल्ली के आ?ह्वान पर पश्चिमी उत्तर प्रदेश एवं उत्तराखंड सर्किल के सभी कार्यालयों के अलावा कानपुर मुख्यालय में भी बीस सूत्रीय मांगों के समर्थन में अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रातः से मध्यावकाश तक धरना देते हुए सफलतापूर्वक विरोध प्रदर्शन किया।कानपुर मुख्यालय स्थित आयकर भवन प्रांगण, सिविल लाइंस में विरोध प्रदर्शन को आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ के महासचिव काम0 राघवेन्द्र सिंह एवं आयकर कर्मचारी महासंघ के महासचिव काम0 सुनील कुमार ने कैडर रिव्यू एवं रीस्ट्रक्चरिंग को शीघ्र लागू करने, नॉन-ङ्कत्र्स कैरियर प्रोग्रेशन कमेटी की रिपोर्ट में छ्वष्ट के सुझावों को शामिल करने, 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस में संघ के सुझावों को सम्मिलित करने, 1 जनवरी 2026 से 50त्न महंगाई भत्ते को मूल वेतन में समाहित करने, पुरानी पेंशन की बहाली, 18 माह के बकाया ष्ठ के भुगतान, कैजुअल लेबर के नियमितीकरण आदि प्रमुख मांगों के समर्थन में मुख्य संबोधन किया। इस प्रदर्शन की अध्यक्षता श्री एस.के. वर्मा, अध्यक्ष (आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ) ने की।इस अवसर पर आयकर राजपत्रित अधिकारी संघ एवं आयकर कर्मचारी महासंघ से प्रमुख वक्ताओं में वरिष्ठ केंद्रीय नेता शरद प्रकाश अग्रवाल, शांति भूषण मिश्रा, शिवेन्दु श्रीवास्तव, पंकज यादव, अमित आनंद पाण्डेय, नवनीत शुक्ला के अतिरिक्त मुकेश कुमार, अनिल चौधरी, के.के.शुक्ल, आनंद कुमार, उमेश वर्मा, मोहन लाल मुकेश, वैभव सचान, रजत सिंह चौहान, राम शंकर, बृजेश बाजपेई, शिव कुमार, शक्ति कृष्ण शुक्ला, अक्षत अवस्थी, अनूप तिवारी, स्वाती सचान, हिमाली सिंह, रवि कुमार, अमित पटेल, शशांक ज्योति, शिवम पाल, श्रीभगवान केसरी, नरेन्द्र सिंह, मनोज श्रीवास्तव, अशोक भारती, दीपांकर चौरसिया, शशांक गुप्ता, योगेश गुप्ता, प्रवीन बाजपेई, मयंक

महिला कर्मियों ने बैंक आना छोड़ा, प्रबंधन ने झाड़ा पल्ला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर।पनकी स्थित निजी बैंक की शाखा में कार्यरत महिला कर्मचारियों का जाति सूचक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पूरे देश में चर्चा का विषय बना हुआ है। महिला कर्मियों ने बैंक आना छोड़ दिया है।छह जनवरी के वीडियो को हाल ही में वायरल किया गया था। इसके बाद दोनों महिला कर्मचारियों के अन्य वीडियो भी वायरल हुए जिसमें दोनों एक दूसरे पर आरोप लगा रही हैं। मामला थाने में भी पहुंच गया है। वहीं, दोनों महिला कर्मचारी पांच-छह दिन से शाखा में नहीं आ रही हैं। उच्च प्रबंधन ने भी मामले से पल्ला झाड़ लिया है। कोई भी कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं।

शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में बनेगी फ्लैटेड फैक्टरी, एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए देखी जा रही जमीन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री राकेश सचान ने बताया कि उद्योगों को सरकार लगातार प्रोत्साहित कर रही है। सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इण्डस्ट्रियल जोन के लिए शहर के अलग-अलग हिस्सों में जमीन देखी जा रही है।

कानपुर में एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार के बजट में सरदार वल्लभ भाई पटेल इंप्लायमेंट एंड इंडस्ट्रियल जोन की घोषणा की गई है।

इसके लिए 575 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इस तरह के जोन प्रदेश के सभी 75 जिलों में प्रस्तावित हैं। इसके लिए शहर में जमीन देखी जा रही है। शहर से 20 किलोमीटर के दायरे में फ्लैटेड फैक्टरी बनेंगी। इस जोन में उद्योग विभाग, लीड बैंक, रोजगार, कौशल विकास से संबंधित कार्यालयों को एक छत के नीचे लाया जाएगा।

निशिकांत दुबे ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने के लिए नोटिस दिया

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली।लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी 11 फरवरी, 2026 को नई दिल्ली में संसद के बजट सत्र के दौरान भाषण देते हुए। संसद टीवी के माध्यम से पीटीआई

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ %%विशिष्ट प्रस्ताव%% लाने के लिए एक नोटिस दिया है। उन्होंने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष की सदन की सदस्यता रद्द करने और उन्हें आजीवन चुनाव लड़ने से प्रतिबंधित करने की मांग की है।

संसद परिसर से बात करते हुए दुबे ने कहा कि उन्होंने अपने नोटिस में कहा है कि कैसे नेता प्रतिपक्ष विदेश जाते हैं और भारत विरोधी तत्वों के साथ सांठगांठ करते हैं। विशिष्ट प्रस्ताव का नोटिस स्वतंत्र होता है, जिसे सदन की मंजूरी के लिए प्रस्तुत किया जाता है, और जिसे किसी फ़ैसले या राय को दर्शाने के लिए तैयार किया जाता है।दुबे ने कहा, कोई विशेषाधिकार हनन नोटिस नहीं दिया है। मैंने एक विशिष्ट प्रस्ताव लाने के लिए नोटिस दिया है। उन्होंने कहा, %%मैं उनकी तरह नियम-कानून की हत्या करने वाला नहीं हूं। मैंने एक विशिष्ट प्रस्ताव के लिए नोटिस दिया है, जिसमें यह जिक्र किया गया है कि कैसे ये (राहुल) सोरोस फाउंडेशन, फोर्ड फाउंडेशन, यूएसएड के साथ मिलकर थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम, अमेरिका जाते हैं और किस तरह भारत विरोधी ताकतों के साथ मिले हुए रहते हैं।भाजपा सांसद ने राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता रद्द करने और उन्हें चुनाव लड़ने से आजीवन प्रतिबंधित करने की भी मांग की

लोकसभा में हंगामा, संसद के बाहर भी विपक्षी सांसदों का प्रदर्शन

भारत-अमेरिका समझौते पर सियासी पारा चढ़ा

» बीपीएस न्यूज

नयी दिल्ली। विपक्षी दलों के सदस्यों ने अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर बृहस्पतिवार को लोकसभा में हंगामा किया, जिसके कारण सदन की कार्यवाही आरंभ होने के सात मिनट के भीतर ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। वहीं, विपक्षी सांसदों ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते के खिलाफ संसद भवन परिसर में भी प्रदर्शन किया।सदन की बैठक आरंभ होने पर पीठासीन सभापति कृष्णा प्रसाद तेन्नेटी ने प्रश्नकाल शुरू कराया। इसी दौरान विपक्षी सदस्य

अमेरिका के साथ हुए व्यापार समझौते को लेकर नारेबाजी करते हुए आसन के निकट पहुंच गए। विपक्षी सदस्यों की नारेबाजी के बीच ही कांग्रेस सदस्य प्रभा मल्लिकार्जुन ने पूरक प्रश्न पूछा, जिसका उत्तर ऊर्जा राज्य मंत्री श्रीपद नाईक ने दिया। पीठासीन सभापति ने विपक्षी सदस्यों से नारेबाजी बंद करने और सदन चलने देने की अपील की।

उन्होंने कहा, कर्नाटक से आपकी (कांग्रेस की) महिला सदस्य ने प्रश्न पूछा है। क्या आप नहीं चाहते कि महिला सदस्य प्रश्न पूछें और सदन में उसका उत्तर दिया जाए? तेन्नेटी ने विपक्षी सदस्यों के सदन में तख्तियां लाने को लेकर भी आपत्ति जताई और कहा कि यह सदन के नियमों के विरूद्ध है। हंगामा नहीं थमने पर उन्होंने 11 बजकर सात मिनट पर सदन की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी।विपक्षी सांसदों ने बृहस्पतिवार को भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया और सरकार पर भारतीय हितों का समर्पण करने का आरोप लगाया।

दूरदर्शन की वरिष्ठ समाचार प्रस्तोता सरला माहेश्वरी का निधन

» दूरदर्शन की सम्मानित और अत्यंत प्रिय समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी ने ली आज अंतिम सांस

» बीपीएस न्यूज

नई दिल्ली। दूरदर्शन की वरिष्ठ समाचार प्रस्तोता सरला माहेश्वरी का गुरुवार को यहां निधन हो गया। वह 71 वर्ष की थीं। वरिष्ठ समाचार वाचक और माहेश्वरी के मित्र शम्मी नारंग ने उनके निधन की पुष्टि की।

नारंग ने एक्स पोस्ट में कहा कि 1980-1990 के दशक में घर-घर में पहचाने जाने वाला यह चेहरा (सरला माहेश्वरी) अब यादों में सिमट गया है।

डीडीन्यूज ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्टाग्राम पर अपनी शोक संवेदना में कहा, अत्यंत वेदना और गहरे शोक के साथ हम सूचित करते हैं कि दूरदर्शन की सम्मानित और अत्यंत प्रिय समाचार वाचिका सरला माहेश्वरी का आज निधन हो गया। टीवी पर सबसे सरल, सबसे सौम्य और सबसे समझदार चेहरा अब हमारे बीच नहीं रहा। वो चेहरा जो हर शाम शांत स्वर में, सटीक उच्चारण के साथ, बिना किसी दिखावे के समाचार पढ़ता था और पूरे देश के घर-घर में विश्वास और गरिमा का संचार करता था। सरला जी दूरदर्शन के उस दौर की प्रतीक थीं, जब समाचार सिर्फ जानकारी नहीं, बल्कि एक संस्कार होता था। 1980 के दशक से 2005 तक उन्होंने लाखों-करोड़ों दर्शकों को हर शाम समाचार दिए। उनकी सादगी भरी साड़ी, सीधा पल्लू, चेहरे पर झलकती सज्जनता और आँखों में छिपी गहराई ने उन्हें हर दिल में बसाया। राजीव गांधी जी की असामयिक मृत्यु की खबर उन्होंने ही पूरे राष्ट्र को दी थी। उन पलों में भी उनकी

आवाज में वही शांति और संयम था, जो उन्हें अलग पहचान देता था।डीडीन्यूज ने कहा, ÷सरला जी ने हमें सिर्फ समाचार नहीं दिए- उन्होंने सादगी, धैर्य, शालीनता और सच्चाई का पाठ पढ़ाया। उनके सामने आकर आज की चीख-चिल्लाती, सनसनीखेज खबरें भी छोटी पड़ जाती थीं। वे वो आवाज थीं जिसे सुनकर माता-पिता शांत होकर समाचार सुनते थे, बच्चे सीखते थे और पूरा परिवार एकजुट होता था। आज उनके जाने से एक पूरा युग समाप्त हो गया है। वो दौर लौटकर नहीं आएगा जब टीवी पर एक सौम्य चेहरा आता था और पूरा देश चुपचाप सुनता था। हम उनके परिवार, पति पवन माहेश्वरी जी और समस्त परिजनों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं। ईश्वर उन्हें इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति दें।÷उल्लेखनीय है कि सरला माहेश्वरी उस दौर की पत्रकारिता का हिस्सा थीं जब समाचार केवल सूचना नहीं, बल्कि भाषा और शिष्टाचार का मानक हुआ करते थे। स्पष्ट उच्चारण शैली और शांत स्वभाव ने उन्हें करोड़ों दर्शकों का चहेता बनाया था। शम्मी नारंग और सरला माहेश्वरी की जोड़ी ने लंबे समय तक दूरदर्शन पर समाचार जगत का नेतृत्व किया।

ट्रेड डील से कश्मीरी सेब बागानों पर मंडराया खतरा!

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने विधानसभा में इस विषय पर गंभीर चिंता जताई। उनका कहना है कि यदि सेब, अखरोट और बादाम जैसे उत्पादों का आयात निशुल्क या बहुत कम शुल्क पर होने लगा तो जम्मू कश्मीर के किसानों को सीधा नुकसान होगा।भारत और अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते को लेकर जम्मू-कश्मीर के बागवानी क्षेत्र में गहरी बहस छिड़ गई है। एक ओर कई फल उत्पादक और व्यापारी इसे स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए खतरा मान रहे हैं, वहीं कुछ किसान और कारोबारी इसे प्रतिस्पर्धा, गुणवत्ता सुधार और कीमतों में स्थिरता का अवसर भी बता रहे हैं। इस समझौते का असर खास तौर पर सेब, अखरोट और बादाम जैसे उत्पादों पर पड़ने की आशंका जताई जा रही है, जिन पर जम्मू कश्मीर की बड़ी आबादी की जीविका निर्भर है।बागवानी विभाग के अनुमान के अनुसार जम्मू कश्मीर में करीब बीस लाख लोग सीधे या परोक्ष रूप से बागवानी से अपनी रोजी रोटी कमाते हैं। ऐसे में आयात नीति में किसी भी बदलाव का असर केवल व्यापार तक सीमित नहीं रहता, बल्कि गांवों की आय, रोजगार और सामाजिक ढांचे तक जाता है।

यूपी पंचायत चुनाव पर बड़ा फैसला: चुनाव से पहले बनेगा पिछड़ा वर्ग आयोग, सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दिया

» बीपीएस न्यूज

लखनऊ। यूपी सरकार ने हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच को बताया कि पंचायत चुनाव से पहले समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन किया जाएगा। इसी आयोग की रिपोर्ट के आधार पर आरक्षण तय होगा। यह फैसला सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के पालन में लिया गया है।

मामले की सुनवाई न्यायालय में जारी है। उत्तर प्रदेश सरकार ने हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच को सूचित किया है कि प्रदेश में आगामी पंचायत चुनाव से पहले एक समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया जाएगा। जस्टिस राजन राय और जस्टिस अवधेश चौधरी की पीठ इस मामले की सुनवाई कर रही थी।

दरअसल, हाई कोर्ट में एक याचिका दाखिल कर मौजूदा पिछड़ा वर्ग आयोग के अधिकारों को चुनौती दी गई थी। सरकार ने अब स्पष्ट किया है कि इसी समर्पित आयोग की रिपोर्ट के आधार पर सीटों का आरक्षण तय होगा। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के उन निर्देशों के पालन में उठाया गया है, जिनमें स्थानीय निकाय चुनावों से पहले समर्पित आयोग का होना अनिवार्य बताया गया है।

रिपोर्ट के आधार पर तय होगा आरक्षण

यूपी सरकार ने हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर ये साफ कर दिया है कि पंचायत चुनाव से पहले राज्य में समर्पित पिछड़ा वर्ग आयोग बनाया जाएगा

, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर ही उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जाएगा। वहीं राज्य चुनाव आयोग ने यह भी तय कर दिया है कि पंचायत चुनाव के विभिन्न स्तरों के प्रत्याशी अधिकतम कितनी राशि चुनाव में खर्च कर सकते हैं।

सिएटल में भारतीय छात्रा की मौत पर लगभग 240 करोड़ रुपये का मुआवजा

» जनवरी 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मारी थी

» बीपीएस न्यूज

सिएटल। अमेरिका के सिएटल शहर ने 2023 में पुलिस वाहन की टक्कर से जान गंवाने वाली 23 वर्षीय भारतीय छात्रा जाह्नवी कंदुला के परिवार के साथ 29 मिलियन डॉलर (करीब 240 करोड़ रुपये) के मुआवजे पर समझौता किया है। यह समझौता किंग काउंटी सुपीरियर कोर्ट में दायर किया गया।

जाह्नवी कंदुला नॉर्थईस्टर्न यूनिवर्सिटी के सिएटल कैंपस में सूचना प्रणाली में मास्टर डिग्री कर रही थीं। उसको जनवरी 2023 में एक पुलिस अधिकारी की तेज रफ्तार गाड़ी ने टक्कर मार दी थी। वाहन चला रहे अधिकारी केविन डेव एक ड्रग ओवरडोज कॉल पर जा रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, वे 40 किमी/घंटा की सीमा वाले क्षेत्र में 119 किमी/घंटा की रफ्तार से गाड़ी चला रहे थे। गाड़ी की इमरजेंसी लाइट ऑन थी और चौराहों पर सायरन का इस्तेमाल किया गया था।

सिएटल प्रशासन का बयान

सिटी अटॉर्नी एरिका इवांस ने कहा, ÷जाह्नवी कंदुला की मौत दिल दहला देने वाली थी। यह वित्तीय समझौता परिवार को कुछ हद तक संतोष दे सके, यही हमारी आशा है। उनकी जिंदगी मायने रखती थी।÷

बॉडी कैमरा विवाद और जनाक्रोश

इस घटना ने उस समय भारी आक्रोश पैदा किया था, जब एक अन्य अधिकारी डेनियल ऑडरर की बॉडी कैमरा रिकॉर्डिंग सामने आई, जिसमें वे हंसते हुए कथित तौर पर कह रहे थे कि कंदुला की जिंदगी का ÷सीमित मूल्य÷ था और शहर को ÷बस एक चेक लिख देना चाहिए।÷ इस बयान की नागरिक निगरानी समिति ने कड़ी आलोचना की। ऑडरर को बाद में बर्खास्त कर दिया गया। उन्होंने अपनी बर्खास्तगी को चुनौती देते हुए शहर के खिलाफ मुकदमा दायर किया है।

बीमा से होगा भुगतान

29 मिलियन डॉलर के इस समझौते में से लगभग 20 मिलियन डॉलर शहर की बीमा पॉलिसी से कवर होने की उम्मीद है। घटना के बाद भारतीय राजनयिकों ने जांच की मांग की थी। यह मामला भारत-अमेरिका संबंधों में भी चर्चा का विषय बना था।

किसान नेताओं ने कार चढ़ाने का आरोप लगाकर कलेक्ट्रेट पर किया हंगामा

» बीपीएस न्यूज

बरेली। कलेक्ट्रेट गेट पर गुरुवार को दोपहर में किसानों ने हंगामा कर दिया। धरना-प्रदर्शन कर रहे भाकियू (टिकैत) गुट के किसान को सरकारी कार ने टक्कर मार दी, जिससे वह जख्मी हो गया। इसके बाद आक्रोशित किसान नेताओं ने हंगामा शुरू कर दिया और आरोप लगाकर सनसनी फैला दी कि किसानों को जान-बूझकर कुचलने की कोशिश की गई है। कोतवाली पुलिस ने आरोपी चालक को हिरासत में ले लिया और पुलिस अधिकारियों ने किसानों को समझाकर मामला शांत कराया। बाद में दोनों पक्षों में समझौता हो गया।

अमेरिका-भारत व्यापार समझौते को रद्द कराने की मांग को लेकर गुरुवार की दोपहर धरना-प्रदर्शन कर ज्ञापन देने पहुंचे भाकियू (टिकैत) के पदाधिकारी कलेक्ट्रेट गेट पर धरना दे रहे थे। इसी दौरान डिप्टी जेलर की सरकारी गाड़ी लेकर कलेक्ट्रेट में जाने की कोशिश करते समय एक किसान के पैर पर कार का पहिया आ

गया। हादसे में बहेड़ी का किसान जख्मी हो गया। इससे भाकियू नेताओं का पारा चढ़ गया और उन्होंने हंगामा करते हुए चालक को पकड़ लिया। मौके पर मौजूद पुलिस ने अनहोनी की आशंका पर चालक को हिरासत में ले लिया और कोतवाली ले गई। आक्रोशित भाकियू पदाधिकारियों ने सड़क पर बैठकर धरना दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि किसान को कुचलने के इरादे से चालक ने कार चढ़ाने का प्रयास किया। इससे माहौल तनाव पूर्ण हो गया।हंगामा बढ़ने पर कलेक्ट्रेट चौक पर ट्रैफिक रुक गया। पदाधिकारियों ने जोरदार नारेबाजी की। इस दौरान पुलिस प्रशासन के प्रति नाराजगी जतायी और आरोपी चालक के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। करीब 20 मिनट तक हंगामे के बीच धरना प्रदर्शन चला। कोतवाली इंस्पेक्टर ने पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचकर आक्रोशित पदाधिकारियों को समझा-बुझाकर शांत कराया। काफी देर तक पदाधिकारी कलेक्ट्रेट गेट पर जमे रहे। आरोपी के विरुद्ध कोतवाली में तहरीर देने की बात कही। हालांकि, दोपहर बाद कोतवाली में दोनों पक्षों के लोगों के बीच बातचीत हुई और समझौता कर लिया।

इधर, भाकियू के युवा जिलाध्यक्ष सैयद शवावउद्दीन उर्फ मीरान का कहना है कि हम लोग गेट पर धरना प्रदर्शन कर रहे थे, तभी एक चालक ने सरकारी कार बहेड़ी के किसान पर चढ़ाने की कोशिश की। उसे पकड़ने को लिया तो उसने बैक गेर में गाड़ी ले ली, इससे कई किसान चपेट में आने से बच गए। चालक को पुलिस पकड़कर ले गई थी।वहीं, कोतवाली इंस्पेक्टर सुरेश चंद्र गौतम का कहना है कि जेल विभाग की कार की हल्की टक्कर लग गई थी। दोनों पक्षों में आपस में कोतवाली में समझौता हो गया है। किसी पर कोई कार्रवाई नहीं हुई।

बॉम्बे हाई कोर्ट ने विजय माल्या को कहा भारत आना ही होगा

» बीपीएस न्यूज

मुंबई।बॉम्बे हाई कोर्ट ने विजय माल्या को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि उनकी याचिकाओं पर कोई भी सुनवाई तभी होगी जब वह व्यक्तिगत रूप से भारत लौटेंगे। कोर्ट ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी कानून को चुनौती देने वाले माल्या को राहत देने से पहले उनकी शारीरिक उपस्थिति को अनिवार्य शर्त बताया है और वापसी की तारीख पर हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है।

लंबे समय से ब्रिटेन में बैठे यानी विजय माल्या को बॉम्बे हाई कोर्ट ने दो टूक शब्दों में कड़ा संदेश दे दिया है। गुरुवार को कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान जस्टिस ने साफ कर दिया कि अगर माल्या को भारतीय अदालतों से कोई राहत चाहिए, तो उन्हें पहले भारत की जमीन पर कदम रखना होगा। कोर्ट का मिजाज देखकर तो यही लगता है कि अब वर्क फ्रॉम होम (या कहें कि वर्क फ्रॉम यूके) वाली दलीलें कानून के सामने नहीं

टिकेंगी।

कानून से भागना और फायदा उठाना, दोनों साथ नहीं चलेंगे÷-सुनवाई के दौरान बॉम्बे हाई कोर्ट ने काफी सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा कि माल्या एक तरफ तो भारतीय कानूनी प्रक्रिया से बच रहे हैं और दूसरी तरफ उसी सिस्टम से अपने लिए राहत की उम्मीद कर रहे हैं–ऐसा नहीं हो सकता।

अदालत ने सीधे शब्दों में कहा कि आपको वापस आना ही होगा। अगर आप लौटकर नहीं आ सकते, तो हम आपकी इस याचिका पर सुनवाई भी नहीं कर सकते। हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि माल्या को सुनने के लिए उनकी शारीरिक मौजूदगी पहली शर्त है। आप देश से बाहर रहकर केवल याचिकाएं फाइल करके सिस्टम का फायदा नहीं उठा सकते।70 वर्षीय शराब कारोबारी विजय माल्या साल 2016 से ब्रिटेन में हैं। उन पर भारत में धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग के कई गंभीर मामले दर्ज हैं।

माल्या ने बॉम्बे हाई कोर्ट में दो मुख्य याचिकाएं लगा रखी हैं-

भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 की संवैधानिक वैधता पर सवाल।

दिलचस्प बात यह है कि केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने इस याचिका का कड़ा विरोध किया। उन्होंने दलील दी कि माल्या ने इस कानून को चुनौती तभी दी जब उन्हें खुद भगोड़ घोषित कर दिया गया।

चीफ जस्टिस चंद्रशेखर की बेंच ने मामले की अगली सुनवाई 18 फरवरी के लिए टाल दी है। लेकिन, जाते-जाते माल्या को एक होमवर्क भी दे दिया है। कोर्ट ने उनके वकील से कहा कि वे एक हलफनामा दाखिल करें जिसमें साफ़-साफ़ लिखा हो कि माल्या भारत कब लौट रहे हैं।कोर्ट ने नरमी दिखाते हुए कहा, ÷हम अभी आपकी याचिका खारिज नहीं कर रहे हैं, बल्कि आपको एक मौका और दे रहे हैं। हमें यह रिकॉर्ड न करना पड़े कि आप कोर्ट की प्रक्रिया से भाग रहे हैं।÷हालांकि, माल्या के सीनियर वकील अमित देसाई ने दलील दी कि पुराने कानूनी उदाहरणों के हिसाब से याचिकाकर्ता की फिजिकल मौजूदगी के बिना भी सुनवाई हो सकती है।

लेकिन कोर्ट फिलहाल इस मूड में नजर नहीं आ रहा।

अब देखना यह है कि 18 फरवरी तक क्या विजय माल्या भारत आने का मन बनाते हैं या फिर उनके वकील कोई नई कानूनी पैंतरा ढूंढ निकालते हैं। फिलहाल तो बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपनी लकीर खींच दी है–राहत चाहिए तो स्वदेश वापसी अनिवार्य है।

एक्सीडेंट केस में तंबाकू कारोबारी के बेटे को राहत, गिरफ्तारी के तुरंत बाद मिली जमानत

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर की एक अदालत ने हाई-प्रोफाइल लैंबॉर्गिनी दुर्घटना मामले में आरोपी शिवम मिश्रा को वीरवार को जमानत दे दी। इस मामले से जुड़े एक अधिवक्ता ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस सप्ताह के आरंभ में यहां वीआईपी रोड पर हुई हाई-प्रोफाइल लैंबॉर्गिनी दुर्घटना के मामले में स्थानीय तंबाकू कारोबारी के. के. मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा को वीरवार को ही गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया था।आरोपी के अधिवक्ता अनंत शर्मा ने बताया कि पुलिस ने मामले में उसकी 14 दिन की पुलिस हिरासत मांगी थी, लेकिन अदालत ने इसकी इजाजत नहीं दी और

इसके बजाय उसे 20,000 रुपये के निजी मुचलके पर जमानत दे दी।

बता दें कि पुलिस ने इस सप्ताह की शुरुआत में कानपुर की वीआईपी रोड पर हुए हाई-प्रोफाइल लैंबॉर्गिनी दुर्घटना मामले में स्थानीय तंबाकू कारोबारी के. के. मिश्रा के बेटे शिवम मिश्रा को वीरवार को ही गिरफ्तार किया था। इस हादसे में कई लोग घायल हो गए थे।

इस गिरफ्तारी से एक दिन पहले मोहन नामक वाहन चालक ने दावा किया था कि घटना के समय गाड़ी वह चला रहा था और उसने स्थानीय अदालत में आत्मसमर्पण कर दिया था। अदालत ने उसकी आत्मसमर्पण याचिका को खारिज कर दिया था क्योंकि पुलिस ने अपने इस रुख को बरकरार रखा कि उसके पास यह साबित करने के लिए सबूत हैं कि वाहन शिवम चला रहा था।

स्कूल से लेकर सिनेमा हॉल तक गूंजेगा वंदे मातरम. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने किए दिशानिर्देश जारी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने बुधवार को वंदे मातरम के संबंध में नए दिशानिर्देश जारी किए, जिसमें कहा गया है कि सभी सरकारी कार्यक्रमों और स्कूलों में राष्ट्रगान से पहले वंदे मातरम गाया जाना चाहिए और इसके बजने के दौरान सभी को सावधान मुद्रा में खड़ा होना चाहिए। वंदे मातरम भारत का राष्ट्रगीत है, जिसे बंकिम चंद्र चटर्जी ने 1870 के दशक में लिखा था और 1950 में अपनाया गया था। अब पद्म पुरस्कार जैसे नागरिक पुरस्कार समारोहों और राष्ट्रपति की उपस्थिति में आयोजित होने वाले सभी अन्य कार्यक्रमों में उनके आगमन और प्रस्थान के दौरान राष्ट्रगीत बजाना अनिवार्य होगा।

सिनेमा हॉल जैसे सार्वजनिक स्थानों पर भी राष्ट्रगीत बजाया जाएगा, हालांकि इस दौरान खड़े होना अनिवार्य नहीं है। और इसके सभी छह श्लोक बजाए जाएंगे, जिनमें वे चार श्लोक भी शामिल हैं जिन्हें कांग्रेस ने 1937 में हटा दिया था। पहले, जन गण मन राष्ट्रगान की तरह वंदे मातरम के लिए कोई स्पष्ट राष्ट्रीय प्रोटोकॉल परिभाषित नहीं था। इस निर्णय का उद्देश्य राष्ट्रगीत के सम्मानपूर्वक पालन को औपचारिक रूप देना और आधिकारिक समारोहों, विद्यालयों और सार्वजनिक कार्यक्रमों में एकरूपता सुनिश्चित करना है। यह कदम संसद में राष्ट्रगीत के ऐतिहासिक महत्व पर हुई बहसों के बाद राष्ट्रीय प्रतीकों को लोकप्रिय बनाने और उन पर जोर देने के निरंतर प्रयासों को भी दर्शाता है।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वंदे मातरम की 150वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में एक साल तक चलने वाले समारोह का शुभारंभ किया है और यह मुद्दा संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान सत्ताधारी सरकार और कांग्रेस के नेतृत्व वाले विपक्ष के बीच विवाद का मुख्य कारण भी बन गया था। इस निर्देश और उन चार श्लोकों को शामिल करने से विवाद खड़ा होने की संभावना है, खासकर इसलिए क्योंकि पिछले साल इस मुद्दे पर सत्ताधारी भाजपा और कांग्रेस के बीच जबरदस्त लड़ाई हुई थी।

युद्ध फिल्मों की सीमा रेखा के पार दिलों को छूते किरदार

देश भक्ति का जज्बा

'बॉर्डर'

'बॉर्डर' सीरीज की दो फिल्मों ने युद्ध कथानक वाली फिल्मों को लेकर दर्शकों की सोच बदल दी। पहली फिल्म जहां अपने समय की अनुभव पूर्ण और मानवीय गहराई के लिए जानी जाती है, वहीं 'बॉर्डर-2' नए कलाकारों की ऊर्जा, आधुनिक निर्देशन और विस्तृत कथानक के कारण इसे नई पीढ़ी के दर्शकों के लिए यादगार अनुभव दर्शाती है। यह फिल्म युद्ध को विशाल मानवीय कैनवास पर उतारती है, जहां हर किरदार का दिल धड़कता है, हर आंख में सपना है और हर कदम देशभक्ति की बुलंदी तक जाता है। सीरीज की दोनों फिल्मों में युद्ध सिर्फ गोलियों-टैंकों की जंग तक सीमित नहीं, बल्कि हर सैनिक के भीतर की लड़ाई भी कथानक का ही हिस्सा थी।

'बॉर्डर' फिल्म हिंदी की उन युद्ध कथानक वाली फिल्मों में है, जिन्होंने सिर्फ सीमा पर एक युद्ध ही नहीं दिखाया, बल्कि सैनिकों की भावनाएं, उम्मीदें और उनके परिवारों के दर्द को भी बड़े पर्दे पर उतार दिया। साल 1997 में आई जेपी दत्ता की फिल्म 'बॉर्डर' ने देशभक्ति की भावनाओं को जिस सादगी और गहराई के साथ प्रस्तुत किया, वह आज भी दर्शकों के दिल में बसी है। वहीं 2026 में आई 'बॉर्डर-2' उसी विरासत को आगे बढ़ाने की कोशिश करती है। लेकिन, नए दौर की तकनीक, नए कलाकारों की ऊर्जा और एक बड़े युद्ध-कैनवास के साथ। दोनों फिल्मों के कथानक, कलाकारों के अभिनय और निर्देशन को तुलनात्मक रूप से देखा जाए, तो स्पष्ट होता है, कि भारतीय सिनेमा ने युद्ध की कहानियों को कैसे समय के साथ बदला और दर्शकों की अपेक्षाएं भी किस तरह विकसित हुई। पहली फिल्म 'बॉर्डर' की ताकत उसकी सादगी और मानवीय दृष्टिकोण में थी। फिल्म में युद्ध सिर्फ गोलियों और टैंकों की जंग नहीं था, बल्कि हर सैनिक के भीतर चल रही भावनात्मक लड़ाई भी थी। हर किरदार की अपनी कहानी थी। किसी की प्रेम कहानी, किसी की पारिवारिक जिम्मेदारी, किसी का व्यक्तिगत डर और इन सबके बीच देश के लिए खड़े होने का जुनून। यही वजह थी कि दर्शक हर किरदार से भावनात्मक रूप से जुड़ गए थे। तकनीकी सीमाओं के बावजूद फिल्म के युद्ध दृश्य बहुत प्रभावी थे। उस दौर की अभिनय शैली में जो सच्चाई और गंभीरता थी, उसने फिल्म को एक क्लासिक बना दिया।

कथानक का तीन मोर्चों तक विस्तार

इसी सीरीज की नई फिल्म 'बॉर्डर-2' एक अलग समय काल की फिल्म है। आज के दर्शक बड़ा कैनवास, तेज गति और भव्य दृश्यों की अपेक्षा करते हैं। तो फिल्म उसी तरह से आगे बढ़ती है। कथानक को तीन अलग-अलग सैन्य क्षेत्रों थल सेना, नेवी और वायु सेना तक बढ़ाया गया है। इससे युद्ध का दायरा व्यापक और अधिक प्रभावशाली लगता है। फिल्म कई किरदारों के दृष्टिकोण से आगे बढ़ती है, जो युद्ध की बहुआयामी तस्वीर दिखाती है। फिल्म का यह विस्तार उसे आधुनिक युद्ध-फिल्मों की श्रेणी में लाता है, लेकिन साथ ही कहानी को भारी भी बनाता है। निर्देशन के नजरिए से देखें, तो पहली वाली 'बॉर्डर' में भावनाओं का संतुलन सबसे बड़ी ताकत था। युद्ध के दृश्यों को भी मानवीय संवेदनाओं से जोड़कर पेश किया गया था। वहीं 'बॉर्डर-2' का निर्देशन अधिक दृश्यात्मक और बड़े पैमाने पर केंद्रित है। फिल्म धीरे-धीरे किरदारों की पृष्ठभूमि बनाकर युद्ध की ओर बढ़ती है, जिससे दर्शकों को किरदारों के साथ ज्यादा वक़्त बिताने का मौका मिलता है। तकनीकी रूप से फिल्म आधुनिक है, लेकिन कुछ आलोचनाएं भी सामने आईं कि सभी विजुअल इफेक्ट्स प्रभावशाली नहीं।

'बॉर्डर' में सैनिक के परिवार का दर्द

90 के दशक में भारतीय सिनेमा में युद्ध-शैली की फिल्मों की संख्या सीमित थी, तब जेपी दत्ता की 'बॉर्डर' ने युद्ध दृश्यों से कहीं आगे जाकर सैनिकों के मानवीय संघर्ष, दोस्ती और परिवार के दर्द को बड़े कैनवास पर उतारा। फिल्म 1971 के भारत-पाक युद्ध के लोंगेवाला युद्ध और उससे जुड़ी घटनाओं पर केंद्रित थी। असली लोकेशनों, वास्तविक हथियारों और सेना के सहयोग से फिल्म को हर फ्रेम में यथार्थवादी बनाकर पेश किया था। उस समय सीमित तकनीक के बावजूद 'बॉर्डर' के युद्ध दृश्य आज भी उतने ही प्रभावशाली लगते हैं। 'संदेसे आते हैं' जैसे गीत और देश भक्ति के भाव दर्शकों के दिल में बसे। साल 1997 की 'बॉर्डर' ने भारतीय सिनेमा में यह स्थापित किया कि युद्ध फिल्म केवल युद्ध नहीं होती, यह भावनाओं का युद्ध भी है। इसने सैनिकों की पृष्ठभूमि, उनके पारिवारिक संबंध और भाईचारा को सामने लाया।

'बॉर्डर-2' में युद्ध साधारण दृश्यों से ऊपर

युद्ध कथानक वाली ज्यादातर फिल्में सिर्फ एक्शन और दृश्य प्रभावों पर ज़ोर देती हैं। 'बॉर्डर-2' में युद्ध के बीच व्यक्तिगत रिश्तों, आंतरिक संघर्षों और मानवीय पहलुओं को गहराई से दिखाया गया, जो इसे साधारण युद्ध दृश्यों से ऊपर उठाता है। यह फिल्म जमीन, हवा और समुद्र तीनों मोर्चों पर संघर्ष दिखाकर युद्ध को बड़ी तस्वीर में बदल देती है।

खाने के बाद क्या आप भी पीते हैं कोल्ड ड्रिंक

» क्या आपको पता है ये सेहत के लिए काफी घातक है

लगातार खिल रही धूप के बाद अब जल्द ही गर्मियां आने वाली हैं और गर्मियों में कोल्ड ड्रिंक की डिमांड बढ़ जाती है। लोग इसे गैस कम करने और ठंडक के लिए पीते हैं, लेकिन क्या आपको पता है ये आपकी सेहत के लिए अच्छा है या नहीं? खासकर लोग खाना खाने के बाद कोल्ड ड्रिंक पीना पसंद करते हैं, लेकिन क्या आपको पता है ये हमारी सेहत के लिए काफी नुकसानदायक है। क्योंकि बोतलबंद कोल्ड ड्रिंक्स में मौजूद ज्यादा शक्कर और फक्टोज लिवर पर भारी पड़ता है।

इसमें पाया गया कि रोजाना एक या ज्यादा शुगर-स्वीटेड ड्रिंक पीने वाली महिलाओं में लिवर कैंसर का जोखिम 85 प्रतिशत तक बढ़ जाता है। क्रॉनिक लिवर डिजीज से मौत का खतरा भी 68 प्रतिशत ज्यादा होता है। यह स्टडी 20 साल से ज्यादा चली।

अन्य स्टडीज भी बताती हैं कि रोजाना एक कैन डाइट या शुगर वाली ड्रिंक भी नॉन-एल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज (इस्नस्थ या स्न्स्थ) का खतरा 50-60 प्रतिशत तक बढ़ा सकती है। फक्टोज लिवर में फैट जमा करता है, जो सूजन और आगे चलकर सिरोसिस या कैंसर का कारण बन सकता है।

रिसर्च के मुताबिक, महिलाएं पुरुषों की तुलना में ज्यादा कोल्ड ड्रिंक पीती हैं, जिससे उनका लिवर ज्यादा प्रभावित होता है। हार्मोनल बदलाव और शरीर की संरचना के कारण महिलाओं में शुगर का असर तेज होता है। इससे हार्मोन संबंधी समस्याएं बढ़ने लगती है।

पाचन धीमा होता है- ठंडा ड्रिंक पेट में फैट को सॉलिड कर सकता है, जिससे ब्लोटिंग और एसिडिटी बढ़ती है।

लिवर पर बढ़ता है बोझ- फक्टोज सीधे लिवर में जाता है, फैट जमा करता है।

बैली फैट और कई बीमारियां- इससे डायबिटीज, हार्ट अटैक और हाई ब्लड प्रेशर का खतरा बढ़ता है।

दिन में कई बार पीने से इस्नस्थ का जोखिम कई गुना बढ़ जाता है।

डॉक्टर ज्यादा शुगर वाली ड्रिंक्स से बचने की सलाह देते हैं। खाना खाने के बाद पानी, नींबू पानी या हर्बल चाय बेहतर ऑप्शन हैं। अगर आपको भी कोल्ड ड्रिंक पीने की आदत है तो धीरे-धीरे कम करें। इस आदत को संतुलित आहार लेकर और थोड़ी एक्सरसाइज करके कम किया जा सकता है।

अब आप बगैर दवा के भी कंट्रोल कर सकते है हाई ब्लड प्रेशर

अगर आपका ब्लड प्रेशर अक्सर बढ़ा रहता है, तो हर बार दवा लेना ही सिर्फ एक उपाय नहीं होता है। अपनी लाइफस्टाइल को बदलकर नए तरह से जीने का रास्ता अपनाकर भी बीपी को काफी हद तक कंट्रोल किया जा सकता है। इसके साथ ही कई मामलों में दवाओं की जरूरत को टाला या कम किया जा सकता है। कुछ आसान आदतें अपनाकर घर पर ही ब्लड प्रेशर को कंट्रोल किया जा सकता है। आइए आपको बताते हैं कि इसे आप कैसे कंट्रोल कर सकते हैं।

» वजन घटाएं

जैसे-जैसे शरीर का वजन बढ़ता है, वैसे-वैसे ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा भी बढ़ जाता है। ज्यादा वजन से स्लीप एपनिया जैसी दिक्कतें भी हो सकती हैं, जो बीपी को और अनबैलेंस कर देती हैं। थोड़ी मात्रा में वजन कम करने से भी ब्लड प्रेशर में पॉजिटिव बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासतौर पर पेट के आसपास जमी चर्बी हाई बीपी का बड़ा कारण बन सकती है, इसलिए कमर की माप पर ध्यान देना बेहद जरूरी होता है।

» रोजाना एक्सरसाइज

हर दिन कम से कम 30 मिनट की हल्की एक्सरसाइज करना, इसके साथ तेज चलना, साइकिल चलाना, डांस करने से भी ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद मिलती है। रोजाना एक्सरसाइज करने से सिर्फ बढ़ा हुआ बीपी कम ही नहीं होता है, बल्कि उसे दोबारा बढ़ने से भी रोकने में हेल्प मिलती है।

» हेल्दी डाइट

साबुत अनाज, हरी सब्जियां, ताजे फल और लो-फैट डेयरी प्रोडक्ट्स से भरपूर डाइट ब्लड प्रेशर को नेचुरली कंट्रोल करने में मददगार मानी जाती है। पोटैशियम से भरपूर खाद्य पदार्थ, जैसे केला, पालक और दालें, शरीर में नमक के असर को कम करने में हेल्पफुल माने जाते हैं। सही खानपान से न सिर्फ बीपी कंट्रोल रहता है, बल्कि हार्ट हेल्थ भी बेहतर बनी रहती है।

» नमक और प्रोसेस्ड फूड से बनाएं दूरी

ज्यादा नमक को खाने से हाई ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। पैकेज्ड और प्रोसेस्ड फूड में छुपा हुआ सोडियम अधिक मात्रा में होता है, जो बीपी बढ़ा सकता है। ऐसे में खाना बनाते समय नमक की मात्रा सीमित रखें और स्वाद के लिए नेचुरल मसालों और हर्ब्स का इस्तेमाल करें।

» शराब और सिगरेट से परहेज करें

ज्यादा शराब का सेवन ब्लड प्रेशर को तेजी से बढ़ा सकता है। वहीं धूम्रपान करने से तुरंत बीपी बढ़ता है और दिल पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। इन आदतों को छोड़ने से हार्ट हेल्थ में सुधार देखा जा सकता है।

» पूरी नींद लें

लगातार कम नींद लेना और लंबे समय तक तनाव में रहना भी हाई बीपी की वजह बन सकता है।

रोजाना 7 से 8 घंटे की पर्याप्त नींद लें। तनाव कम करने के लिए योग, ध्यान और गहरी सांस लेने जैसे अभ्यास बेहद फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

खादी ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में उमड़ी भीड़ सांस्कृतिक संध्या में गूंजे शिव भजन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बृजेन्द्र स्वरूप पार्क में आयोजित खादी एवं ग्रामोद्योग प्रदर्शनी में रविवार को भी प्रतिदिन की भांति भारी भीड़ देखने को मिली। बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। शहर के आमजन ने खादी के विभिन्न परिधानों एवं ग्रामोद्योग उत्पादों की खरीदारी में विशेष रुचि दिखाई।

प्रदर्शनी में डॉ. पाटर लीफ, कानपुर के स्टॉल पर विभिन्न प्रकार के आकर्षक बोनसाई, आउटडोर एवं इनडोर पौधे प्रदर्शित किए गए, जिन्हें खरीदने के लिए लोगों में खासा उत्साह नजर आया।

ऑल इंडिया वूमेन डेवलपमेंट एण्ड ट्रेनिंग सोसाइटी, दिल्ली द्वारा शिवरात्रि के पावन अवसर पर फ्एक शाम महादेव के नामफ् शीर्षक से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्वर गंधार संगीत संस्थान के निदेशक बंटी एवं उनकी टीम ने भजनों की मनमोहक प्रस्तुति देकर वातावरण को भक्तिमय बना दिया। आस्था खुशी सांवी एवं मंजू जैन द्वारा प्रस्तुत शिव स्तुति पर दर्शक भाव-विभोर हो उठे।

कार्यक्रम के अंतर्गत फ्एक सम्मान आपकी कामयाबी के नामफ् समारोह का भी आयोजन किया गया, जिसमें प्रतियोगिता के विजेताओं को सांसद रमेश अवस्थी द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विशेष अतिथि के रूप में सुरेश गुप्ता एवं प्राचार्य डॉ. अनूप सिंह उपस्थित रहे। वक्ताओं ने बताया कि संस्था द्वारा प्रतिवर्ष राष्ट्रीय स्तर पर 'बरखा महोत्सव' का आयोजन किया जाता है, जिसका उद्देश्य भारत की साझा सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करना एवं युवाओं को पारंपरिक मूल्यों से जोड़ना है। देशभर से प्रतिभागियों ने वीडियो एवं फोटो के माध्यम से प्रतियोगिता में भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कृष्णम ग्रुप के निदेशक विपिन निगम एवं उनकी टीम द्वारा प्रस्तुत 'शिव विवाह' की झांकी ने दर्शकों का मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन शुभांगी सिंह ने किया। राजीव सक्सेना ने देशभक्ति एवं शिव भजनों की प्रस्तुति देकर समां बांध दिया।

सांसद रमेश अवस्थी ने प्रदर्शनी का भ्रमण कर विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया। उन्होंने मुजफ्फरनगर के नदीम की गुड़ स्टॉल से 100 किलोग्राम गुड़ निर्मित कराकर भेजने के निर्देश दिए। अपने संबोधन में सांसद ने कहा कि खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड, कानपुर द्वारा आयोजित यह प्रदर्शनी सराहनीय है। इससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलेंगे तथा ग्रामीण क्षेत्रों से पलायन रुकेगा। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की प्रदर्शनियां नियमित रूप से आयोजित होती रहनी चाहिए, जिससे जनता को गुणवत्तापूर्ण उत्पाद उपलब्ध हो सकें।

इस अवसर पर परिक्षेत्रीय ग्रामोद्योग अधिकारी अशोक कुमार शर्मा, उ.प्र. ग्रामोद्योग महासंघ के अध्यक्ष सुरेश गुप्ता सहित मनोज पाठक, अखिलेश कुमार अग्निहोत्री, सर्वोत्तम तिवारी, सुशांत कोचर, वर्षा, छवि, रितेश, वरुण जौहरी, हरेन्द्र निषाद, राकेश गुप्ता, राजेश कुमार, विवेक त्रिवेदी एवं बड़ी संख्या में उपस्थित जनसामान्य मौजूद रहे।

बिठूर विधानसभा के भीतरगांव ब्लॉक की गलियां बन गई काशी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। बिठूर विधानसभा के भीतरगांव ब्लॉक की गलियां काशी बन गईं। महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर जब महादेव की भव्य बारात निकली, तो जन-सैलाब उमड़ पड़ा। सौभाग्य मिला भगवान शंकर और माता पार्वती के स्वरूपों का माल्यार्पण करने और उनका आशीर्वाद लेने का। ढोल की थाप, डमरू की गूंज और हर-हर महादेव के जयकारेज सच कहूँ तो भक्ति का ऐसा 'करंट' था कि रोम-रोम शिवमय हो गया। शिव सत्य है, शिव सुंदर है, और भीतरगांव की ये रथ यात्रा अति-अति भव्य है।

जिला अध्यक्ष कानपुर नगर/ग्रामीण मुनींद्र शुक्ला पूर्व विधायक बिठूर विधानसभा कुलदीप यादव जिला उपाध्यक्ष कर्मवीर सिंह यादव जिला सचिव प्रत्याशी जिला पंचायत क्षेत्र पड़री लालपुर राघवेंद्र यादव प्रधान सचौली योगेश मिश्रा प्रमुख महासचिव बिठूर विधानसभा सरवन काश्यप दुल्लर शुक्ला, माधव यादव एडवोकेट, सुमित यादव, रानू तिवारी, अंकित पाल, मुकेश सैनी, इत्यादि लोग रहे।

पूर्वजों के मंदिर पहुंचे अवनीश अवस्थी, परिवार के साथ किया रुद्राभिषेक, बोले- हर साल निभाते हैं परंपरा

कानपुर। मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार अवनीश अवस्थी ने महाशिवरात्रि पर अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित सैकड़ों वर्ष पुराने शिव मंदिर में सपरिवार पूजन किया। उन्होंने इसे अपनी पारिवारिक परंपरा और गहरी आस्था का प्रतीक बताया।मुख्यमंत्री के प्रमुख सलाहकार अवनीश अवस्थी ने रविवार को महाशिवरात्रि के पावन पर्व पर अपने पूर्वजों द्वारा स्थापित प्राचीन शिव मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना की। सैकड़ों वर्ष पुराने इस अद्वितीय शिवालय में बाबा के दर्शन के लिए सुबह से ही श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा।बता दें कि इस प्राचीन मंदिर का निर्माण अवनीश अवस्थी के पूर्वजों द्वारा कराया गया था, जिससे उनका गहरा भावनात्मक और आध्यात्मिक लगाव है। मुख्यमंत्री के सलाहकार ने सपरिवार मंदिर पहुंचकर शिवलिंग पर गंगाजल, दूध और बेलपत्र अर्पित कर अभिषेक किया।उन्होंने प्रदेश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना की। इस दौरान अवनीश अवस्थी ने बताया कि वे हर वर्ष महाशिवरात्रि पर अपने परिवार के साथ यहां अवश्य आते हैं। यह उनके लिए केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि अपने पूर्वजों की विरासत और जड़ों से जुड़ने का एक माध्यम है।

मकरंदापुर में दो दिवसीय जिला स्तरीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता शुरू

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। भोगनीपुर के मकरंदापुर गांव में शनिवार को दो दिवसीय जिला स्तरीय बॉलीबॉल प्रतियोगिता का भव्य आगाज़ हुआ। प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला पंचायत सदस्य संजय सचान ने फीता काटकर किया। उद्घाटन के साथ ही खेल मैदान में उत्साह और जोश का माहौल देखने को मिला।

उन्होंने ग्रामीण युवाओं को नशे से दूर रहने, अनुशासन का पालन करने और टीम भावना के साथ खेल में भाग लेने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि खेल को सदैव खेल भावना से खेलना चाहिए, इसमें किसी प्रकार की द्वेषपूर्ण भावना का स्थान नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में जिला मंत्री डिम्पल सचान, अमरनाथ सचान, टाइटन क्लब के अध्यक्ष सलीद सिद्दीकी सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में विभिन्न गांवों और क्षेत्रों की टीमों ने भाग लिया।

ई-ऑटो चालक बैंककर्मी का पर्स लूटकर फरार

कानपुर। रेल बाजार थाना क्षेत्र में किराया देने के दौरान एसबीआई कर्मी से ई-ऑटो चालक पर्स लूटकर भाग गया। मूलरूप से फर्रुखाबाद के फतेहगढ़ सिविल लाइंस निवासी आशीष कुमार कानपुर के बड़ा चौराहा मेन ब्रांच में कार्यरत हैं। वह हाल में परिवार समेत सतबरी रोड में रह रहे हैं। पुलिस को बताया कि बीती तीन फरवरी को बैंक के काम से रावतपुर गए थे। ई-ऑटो में बैठकर घर लौट रहे थे। उसमें तीन युवक पहले से सवार थे। टाटमिल चौराहे पर पहुंचने पर किराया देने के लिए पर्स निकाला। तभी चालक पर्स छीनकर रावतपुर की तरफ भाग निकला। पर्स में एटीएम कार्ड, 1400 रुपये, बैंक आईडी कार्ड, पैनकार्ड, आधार कार्ड आदि थे। थाना प्रभारी जितेंद्र प्रताप सिंह चौहान ने बताया कि सीसीटीवी कैमरे की मदद से आरोपी चालक की तलाश की जा रही है।

महाशिवरात्रि पर डीएम ने किया बाबा आनंदेश्वर मंदिर पूजन-अर्चन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। जनपद में महाशिवरात्रि का पावन पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास और श्रद्धाभाव के साथ मनाया जा रहा है। प्रातः काल से ही शिवालयों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगी रहीं। हर-हर महादेव के उद्घोष से वातावरण गुंजायमान रहा और मंदिर परिसरों में भक्ति, अनुशासन और उत्साह का संगम दिखाई दिया।

इसी क्रम में जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह ने परमट स्थित बाबा आनंदेश्वर मंदिर पहुंचकर विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया और जनपदवासियों के सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। उन्होंने भगवान शिव से प्रार्थना की कि जनपद निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहे और सभी नागरिक स्वस्थ एवं सुरक्षित रहें।

मंदिर परिसर में प्रशासन द्वारा सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, प्रकाश एवं बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारी मौके पर तैनात हैं और व्यवस्थाओं की निगरानी की जा रही है।महाशिवरात्रि के अवसर पर पूरे जनपद में आध्यात्मिक वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालु उपवास, रुद्राभिषेक तथा रात्रि जागरण के माध्यम से भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं।

ई रिक्शा की टक्कर से युवक की मौत के मामले में रिपोर्ट दर्ज

» बीपीएस न्यूज

रसूलाबाद (कानपुर देहात)। थाना क्षेत्र के ग्राम दलेलपुर उत्था महेन्द्र के पुत्र जयकेश की ई-रिक्शा से टक्कर से मौत हो गई थी। महेन्द्र ने बताया कि 6 फरवरी को ई-रिक्शा चालक यूपी 77 बीएन 0754 ने तेजी व लापरवाही से ई रिक्शा चलाते हुए महेन्द्र के पुत्र जयकेश और गांव के अमित की बाइक यूपी 78 एचई 5286 में पीछे से जोरदार टक्कर मार दी थी। जिसमें जयकेश को अस्पताल में डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया था जबकि अमित का सरकारी अस्पताल में इलाज चल रहा है। मृतक के पुत्र महेन्द्र ने थाने आकर तहरीर देकर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सिर कटे मुर्गे की पूजा की अनोखी परंपरा निभाने आते हैं हजारों भक्त

» लालाभगत के प्राचीन कौमारी देवी मंदिर में लगा मेला

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र के लालाभगत गांव स्थित प्राचीन कौमारी देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के अवसर पर मेला लगना शुरू हो गया है। दूर-दराज से श्रद्धालु यहां दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए पहुंच रहे हैं। इस मंदिर की विशेष पहचान सिर कटे पत्थर के मुर्गे की पूजा की परंपरा को लेकर है, जिसे स्थानीय लोग सदियों पुरानी मान्यता से जोड़ते हैं। ग्रामीणों के अनुसार मंदिर स्थल वाले खेड़े के नीचे किसी पुराने महल के दबे होने की भी लोकमान्यता है। मंदिर का संबंध प्राचीन राजवंश और लोकगाथाओं से भी जोड़ा जाता है, जिसके चलते यह स्थान

आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है।

स्थानीय बुजुर्गों की मान्यता के अनुसार यह स्थल पुराने समय की धार्मिक घटनाओं और लोककथाओं से जुड़ा है, जिनमें राजपरिवार, अखंड ज्योति और मुर्गे की बांग का उल्लेख मिलता है। इन कथाओं के कारण मंदिर की ख्याति पूरे क्षेत्र में फैली हुई है। बताया जाता है कि पहले यहां घना जंगल था। बाद में एक पुजारी द्वारा मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया और विधि-विधान से पूजा शुरू हुई। तभी से यहां पत्थर के सिर कटे मुर्गे की प्रतिमा की पूजा की परंपरा चली आ रही है।

एक नजर में..

- लालाभगत गांव के कौमारी देवी मंदिर में चैत्र नवरात्रि पर मेला शुरू
- मंदिर में सिर कटे पत्थर के मुर्गे की पूजा की अनोखी परंपरा
- दूर-दूर से श्रद्धालु मनौती लेकर पहुंच रहे
- खेड़े के नीचे प्राचीन महल दबे होने की स्थानीय मान्यता
- मंदिर का संबंध प्राचीन राजघराने और
- लोककथाओं से जोड़ा जाता है
- जीर्णोद्धार के बाद से नियमित पूजा-अर्चना जारी
- क्षेत्रीय आस्था का प्रमुख केंद्र बना मंदिर

14 वर्षीय किशोर लापता तलाश में जुटी पुलिस

» पिता ने कहा उनका पुत्र भोगनीपुर से घाटमपुर मार्ग के बीच कहीं चला गया

कानपुर देहात।जनपद के डेरापुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव से 14 वर्षीय किशोर के लापता होने का मामला सामने आया है। परिजनों की सूचना पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है तथा किशोर की तलाश के लिए विशेष टीमें गठित की गई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, जगदीशपुर निवासी महावीर सिंह यादव ने थाने में दी तहरीर में बताया कि उनका पुत्र मयंक यादव गुरुवार दोपहर भोगनीपुर से घाटमपुर मार्ग के बीच कहीं चला गया और उसके बाद से घर नहीं लौटा।

परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई सुराग नहीं लग सका।

लापता किशोर का हुलिया इकहरा बदन, लंबा-गोल चेहरा, सांवला रंग, उम्र लगभग 14 वर्ष बताया गया है। प्रभारी निरीक्षक संजेश कुमार ने बताया कि गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और तलाश के लिए पुलिस टीमों को सक्रिय कर दिया गया है। संभावित स्थानों पर खोजबीन की जा रही है। जल्द किशोर को सकुशल बरामद करने का प्रयास किया जा रहा है।

महाशिवरात्रि से पहले पुलिस रही हाई अलर्ट पर

पैदल गश्त, फ्लैग मार्च कर कांवड़ रूट का किया निरीक्षण

» बीपीएस न्यूज

कानपुर देहात। आगामी त्योहारों, विशेषकर महाशिवरात्रि, को लेकर सिकंदरा थाना पुलिस ने कमर कस ली है। शुक्रवार शाम थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस बल ने कस्बे और ग्रामीण क्षेत्रों में व्यापक पैदल गश्त व फ्लैग मार्च किया।

कस्बे के प्रमुख चौराहों, बाजारों और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस की मौजूदगी से लोगों में सुरक्षा का विश्वास बढ़ा। पुलिस टीम ने लोगों से संवाद कर शांति बनाए रखने की अपील की। गश्त के दौरान शराब की दुकानों का औचक निरीक्षण किया गया। दुकानदारों और सेल्समैन को कड़े निर्देश दिए गए कि अवैध, मिलावटी या निर्धारित समय के बाहर शराब की बिक्री पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। दुकानों के आसपास अनावश्यक भीड़ न जुटने देने की भी हिदायत दी गई। थाना प्रभारी दिनेश कुमार गौतम ने बीट पुलिस कर्मियों को निर्देशित किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में लगातार सक्रिय रहें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत दें। उन्होंने स्पष्ट कहा कि अराजक तत्वों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

आत्मनिर्भर, विकसित और समावेशी भारत बनाने की नींव है केंद्रीय बजट: विधायक महेश त्रिवेदी

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। केंद्रीय बजट 2025 – 26 केवल आंकड़ों का लेखा जोखा नहीं है बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047, समावेशी और आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने की नींव है। युवाओं को रोजगार पाने वाला ही नहीं देने वाला भी बनना चाहिए। यह बात किदवई नगर विधानसभा क्षेत्र के विधायक महेश त्रिवेदी ने शनिवार को किदवई नगर स्थित वेडिंग वेल गेस्ट हाऊस में आयोजित बजट संगोष्ठी में व्यापारियों को संबोधित करते हुए कही।

महेश त्रिवेदी ने कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब हमारे युवाओं के हाथों में रोजगार होगा।

केंद्रीय बजट देश को स्थिरता से समृद्धि की ओर ले जाने वाला दूरदर्शी और जनकल्याणकारी बजट है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को साकार की दिशा में यह मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय बजट में आर्थिक विकास की गति, जनता की अपेक्षाओं की पूर्ति, सुशासन के साथ सबको साथ लेकर चलने की तैयारी है। किसान,युवा, महिला और गरीब को केंद्र में रख कर देश के समग्र विकास का रोड मैप तैयार किया गया है।

उन्होंने कहा कि गांव, गरीब और किसान को मजबूत किये बिना देश सशक्त नहीं हो सकता।केंद्रीय बजट में इसी मूल भावना को प्रतिबिंबित किया गया है।यहां जय प्रकाश कुशवाहा, अचल गुप्ता, जसविंदर सिंह,अरविन्द वर्मा, संजय कटियार, मनीष त्रिपाठी, प्रकाश वीर आर्य,प्रवीन गुप्ता, पार्षद मनीष मिश्रा, विनीत दुबे, रवि सतीजा आदि रहे।

इसी तरह छावनी विधानसभा की बजट संगोष्ठी में पूर्व विधायक रघुनंदन सिंह भदौरिया ने कहा कि सड़क,रेल लॉजिस्टिक नेटवर्क, डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं ऊर्जा न सिर्फ विकास को गति देती है बल्कि राष्ट्रीय एकता, अवसर निर्माण और रणनीतिक गतिशीलता को भी बढ़ाती है।

कश्मीर युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम का हुआ समापन

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कश्मीर युवा आदान–प्रदान कार्यक्रम के छठे एवं अंतिम दिवस पर विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों के साथ कार्यक्रम का सफल समापन हुआ। यह कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में आयोजित किया गया। छठे दिन की शुरुआत भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान कानपुर में चयनित कश्मीरी युवाओं की माननीय सचिव महोदया, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के साथ संक्षिप्त एवं सार्थक संवाद से हुई। इस संवाद सत्र में युवाओं ने अपने अनुभव साझा किए तथा राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका पर विचार–विमर्श किया। सचिव महोदया ने युवाओं को भारत के विकास में सक्रिय भागीदारी हेतु प्रेरित किया।

इसके पश्चात फराष्ट्र निर्माण एवं भारत च्2047 के विजनफ विषय पर एक प्रेरक डॉक्यूमेंट्री का प्रदर्शन किया गया। डॉक्यूमेंट्री के माध्यम से विकसित भारत के संकल्प, नवाचार, आत्मनिर्भरता और युवाओं की भूमिका को रेखांकित किया गया। समापन समारोह के मुख्य अतिथि सीए अंकुर, अध्यक्ष, भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स संस्थान (द्बष्टद्ब) रहे।

अपने उद्बोधन में उन्होंने युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्रीय एकता की भावना को जीवन में आत्मसात करने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कश्मीर से कानपुर तक का यह सांस्कृतिक सेतु देश की एकता और अखंडता को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए तथा सभी अतिथियों का सम्मान किया गया। जिला युवा अधिकारी, कानपुर नगर श्री अनुपम कैथवास द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। उन्होंने मंत्रालय, प्रशासन, आयोजक टीम एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही कार्यक्रम को सफल बनाने में विशेष योगदान देने वाले स्वयंसेवकों अथर्व, उज्ज्वल एवं विशाल का विशेष उल्लेख कर उनकी सराहना की गई। कार्यक्रम के समापन अवसर पर भावनात्मक वातावरण देखने को मिला। युवाओं ने इसे जीवन का अविस्मरणीय अनुभव बताते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के आदान–प्रदान कार्यक्रमों की निरंतरता की अपेक्षा व्यक्त की। यह कार्यक्रम फएक भारत, श्रेष्ठ भारतफ की भावना को सशक्त करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध हुआ।

शिवभक्ति के रंग में रंगा कानपुर, आनंदेश्वर मंदिर में भक्तों की भीड़, व्यवस्था चाक-चौबंद

» बीपीएस न्यूज

कानपुर। कानपुर के बाबा आनंदेश्वर मंदिर में रविवार तड़के 1ः30 बजे से जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। मंगला आरती के बाद लाखों श्रद्धालुओं ने बाबा के दर्शन किए, जिसके लिए प्रशासन ने सुरक्षा और रूट डायवर्जन के कड़े इंतजाम किए थे।

महाशिवरात्रि पर शिवालयों के शहर कानपुर में आस्था का जनसैलाब उमड़ पड़ा। आनंदेश्वर मंदिर में तड़के डेढ़ बजे मंगला आरती के बाद कपाट खुलते ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लग गईं। हर–हर महादेव के जयघोष के बीच भक्तों ने जलाभिषेक कर सुख–समृद्धि की कामना की। मान्यता है कि इस प्राचीन दरबार में सच्चे मन से मांगी गई हर मुराद पूरी होती है।

इसे लेकर शहर और आसपास के जिलों से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे। भीड़ को देखते हुए भारी पुलिस बल तैनात रहा। प्रमुख मार्गों पर डायवर्जन लागू कर वाहनों को वैकल्पिक रास्तों से निकाला गया। मंदिर प्रशासन ने बैरिकेडिंग, कतारबद्ध दर्शन और पेयजल की व्यवस्था सुनिश्चित की। दिनभर दर्शन–पूजन का सिलसिला जारी रहा।

बता दें कि महाशिवरात्रि पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। मंदिरों में सजावट की गई है। शहर के शिवालयों में शनिवार रात से ही भक्तों का सैलाब उमड़ने लगा था। भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंधन व जिला प्रशासन ने विशेष तैयारी की है। परमट स्थित आनंदेश्वर मंदिर में शनिवार रात से ही भक्तों की कतारें लगने लगीं। इसके अलावा, नवाबगंज स्थित जागेश्वर मंदिर, जाजमऊ के सिद्धेश्वर और पीरोड के बनखंडेश्वर मंदिर में भी भक्त जलाभिषेक के लिए आतुर दिखे।महाशिवरात्रि पर भगवान शिव और मां पार्वती की विशेष पूजा का विधान है। शिवपुराण के अनुसार, भगवान शिव के निराकार स्वरूप का प्रतीक लिंग इस पावन तिथि की महानिशा में प्रकट हुआ था और इसे सबसे पहले ब्रह्मा व विष्णु ने पूजा। महाशिवरात्रि मानवता के लिए भगवान शिव की कृपा प्राप्त करने का एक पवित्र अवसर है। इस दिन शिवलिंग का पूजन और जलाभिषेक करने से तुरंत फाल प्राप्त होता है।

बाबा बड़े दयालू है
ओम नमः शिवायः
बाबा बड़े दयालू है
बाबा आनंदेश्वर डेयरी एंड स्वीट्स
हमारे यहां शादी-विवाह के शुभ अवसरों पर पनीर, खोया, कच्चा छेना, मक्खन, क्रीम, दही, ग्रीन वैली मटर व शुद्ध देशी घी के आर्डर बुक किए जाते हैं।
(शुद्ध ताजा दूध हर समय उपलब्ध है)
24/11, बाबूपुरवा कालोनी, किदवई नगर कानपुर (मोबाइल:-9839625941)

साँई पेपर कप ग्लास मैन्यूफैक्चर
महेंद्र पटेल
प्रबंधक
माधुरी पटेल
डायरेक्टर
पेपर ग्लास – 55, 65, 85, 90, 100, 110, 130, 150, 200, 210, 250, 300, 330 ML खरीदने हेतु सम्पर्क करें
9919772233 7985401046
पता:- प्लाट नं. 22 जरौली फेस–2 कानपुर नगर

Jai Ambey Traders
ARUN KUMAR ASTHANA
arunasthana32@gmail.com
CARE-TEX
OUR MISSION IS PATIENT CARE
ORDER ONLINE ON amazon
ABDOMINAL BELT
WARM BAG
COMPRESSOR NEBULIZER
ARM SLING POUCH
WRIST BAND
THERMOMETER
WRIST BINDER
STETHOSCOPE
SOFT CERVICAL COLLAR
KNEE CAP
ELBOW SUPPORT
7705800400, 9415728160, 9936442547 | 0512-23567401
Head Office: 19/174, Patkapur, Kanpur
Branch Office: 59/88, Shukla Market, Kanpur

Since:1992
Sahu Ji Maharaj Restaurant
राजसी ठाट देसी अंदाज़
638 Y-1 ब्लाक किदवई नगर
(निकट दासू कुआं चौराहा . नौबस्ता कानपुर)
M: 8303637506
9792526852

बीपीएस न्यूज
(साप्ताहिक समाचार पत्र)
मुद्रक प्रकाशक स्वात्वाधिकारी बुद्ध प्रकाश साहू द्वारा मां प्रिन्टर्स गार्डेन नं. 6-ए/7 रेल बाजार कानपुर नगर से मुद्रित एवं 344- बगाही भट्ठा टी.पी. नगर कानपुर से प्रकाशित। आर.एन.आई. नं. UPHIN/2016/66740, डाक पंजीयन सं. कानपुर सिटी 304/2024-2026, संपादक बुद्ध प्रकाश साहू मो.: 8423454502, व्हाट्सअप 9335908846
email:bps.knp786@gmail.com, info@bpsnews.in , www.bpsnews.in नोट-समस्त विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर नगर न्यायालय होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त लेखों एवं समाचारों की जिम्मेदारी लेखकों व संवाददाताओ की होगी। कृपया कोई भी आपत्ति हो तो 15 दिनो के अंदर भेजे।